दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित

नगर संस्करण | इंदौर, मंगलवार, 10 फरवरी 2026 | वर्ष : 01, अंक : 70, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

अनुमति से पहले किताब लीक! पूर्व सेना प्रमुख नरवणे के मामले में एफआईआर

नई दिल्ली ● एजेंसी

पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की आगामी किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के कथित रूप से सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, इस पुस्तक को अभी संबंधित प्राधिकरणों से प्रकाशन की आवश्यक अनुमति नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि विभिन्न ऑनलाइन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और न्यूज फोरम पर ऐसी जानकारी सामने आई थी कि किताब की प्री-प्रिंट कॉपी इंटरनेट पर साझा की जा रही है। इन दावों के संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

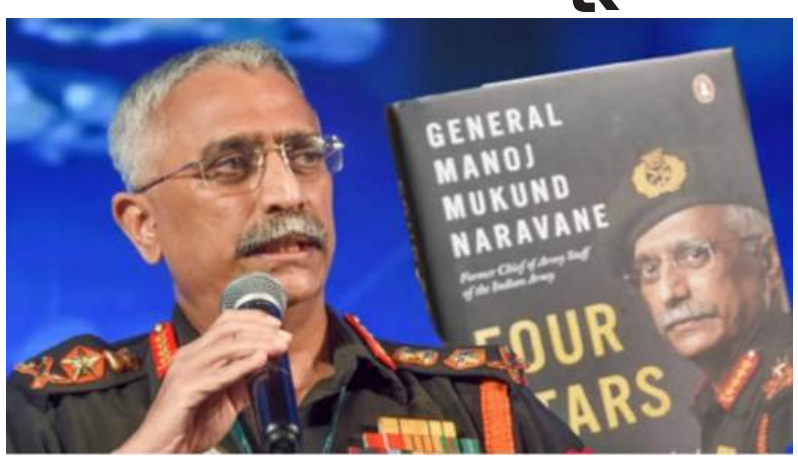

शुरुआती जांच में पाया गया कि 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' शीर्षक से टाइपसेट की गई एक पीडीएफ कॉपी कुछ वेबसाइट्स पर उपलब्ध है। यह कॉपी कथित रूप से पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार की गई प्रतीत होती है। इसके अलावा कुछ ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म पर पुस्तक का फाइनल कवर भी इस तरह प्रदर्शित किया गया है, मानो वह बिक्री के लिए उपलब्ध हो।

गोपनीयता का उल्लंघन

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, यह मामला एक ऐसी पुस्तक के संभावित लीक या गोपनीयता उल्लंघन से जुड़ा है, जिसे अभी आधिकारिक मंजूरी मिलना बाकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल सेल में केस दर्ज किया गया है और विस्तृत जांच शुरु कर दी गई है।

खोजे जा रहे इन सवालों के जवाब

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि पुस्तक की प्री-प्रिंट कॉपी ऑनलाइन कैसे पहुंची, इसमें किन लोगों या संस्थाओं की भूमिका हो सकती है, और क्या इसमें कॉपीराइट या अन्य कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन हुआ है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खुद ही मान गया पाकिस्तान

सभी मांगे ख़ारिज, 15 फरवरी को मुकाबला

टी-20 वर्ल्डकप में भारत-पाकिस्तान मैच होगाःश्रीलंका के राष्ट्रपति से बातचीत के बाद मानी शहबाज सरकार

नई दिल्ली ● एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप में 15 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होगा। पाकिस्तान सरकार ने सोमवार रात अपने X अकाउंट पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की। पोस्ट में बताया गया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने फोन कर भारत के खिलाफ मैच खेलने की अपील की थी। इसके अलावा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने भी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) से मुकाबला खेलने की सिफारिश की थी।

दरअसल, बांग्लादेश को टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर किए जाने के विरोध में पाकिस्तान ने 1 फरवरी को भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का ऐलान किया था। हालांकि उसने टूर्नामेंट के बाकी मुकाबले खेलने पर सहमति जता दी थी। पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमार दिसानायके के बीच फोन पर बातचीत हुई। श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने श्रीलंका में प्रस्तावित भारत-पाक मैच खेलने का अनुरोध किया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा कि आतंकवाद के मुश्किल दौर में पाकिस्तान ने श्रीलंकाई क्रिकेट का पूरा समर्थन किया था। उन्होंने उसी भावना से पाकिस्तान से सहयोग की अपील की।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति की भावनाओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सभी पक्षों से चर्चा के बाद अंतिम फैसला श्रीलंका को बता दिया जाएगा। पीएम ने कहा कि मुश्किल समय में श्रीलंका पाकिस्तान के साथ मजबूती से खड़ा रहा। हाल ही में श्रीलंका टीम ने पाकिस्तान दौरा रद्द न कर अहम सहयोग दिखाया।

PCB चेयरमैन मोहसिन नकवी ने पीएम को भारत-पाक मैच पर हुई हालिया बैठकों की जानकारी दी। इन बैठकों में ICC और BCB के प्रतिनिधि भी शामिल थे। पाकिस्तान सरकार ने BCB के औपचारिक अनुरोध और श्रीलंका, यूएई सहित अन्य देशों के समर्थन पर विचार किया। इन देशों ने समाधान में पाकिस्तान से नेतृत्व की भूमिका निभाने को कहा था।

बहुपक्षीय चर्चाओं और मित्र देशों के अनुरोधों को देखते हुए पाकिस्तान सरकार ने बड़ा फैसला लिया। पाकिस्तान टीम 15 फरवरी 2026 को ICC मेंस टी-20 वर्ल्ड कप मैच खेलेगी।

बैठक में ICC की ओर से CEO संजोग गुप्ता वर्चुअल तरीके से जुड़े। भारत से खेलने के मुद्दे पर पाकिस्तान ने तीन शर्तें रखीं। पहली, ICC की कुल कमाई में पाकिस्तान का हिस्सा बढ़ाया जाए। दूसरी, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज बहाल कराई जाए। तीसरी, मैदान पर हैंडशेक प्रोटोकॉल को सख्ती से लागू किया जाए।

दरअसल, एशिया कप के दौरान पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। फिलहाल ICC रेवेन्यू मॉडल में पाकिस्तान चौथा सबसे बड़ा हिस्सेदार बोर्ड है। उसे कुल कमाई का करीब 5.75 फीसदी हिस्सा मिलता है। इससे ऊपर ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत के बोर्ड हैं।

यूपी में कोई दंगा नहीं, सब चंगा

लखनऊ ● एजेंसी

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य और आईटी विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय एआई हेल्थ समिट का उद्घाटन किया। इस मौके पर सीएम योगी ने प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज यूपी में कोई कर्फ्यू नहीं है। न ही दंगे होते हैं। अब यूपी में सब चंगा है। यहां हर कोई खुशहाल है। प्रदेश में निवेश भी आ रहा है। टूरिज्म भी बढ़ रहा है। यहां हर व्यक्ति अपने काम में लगा है। कारोबार में जुटा है, फिर चिंता क्यों हो? यह एक प्रयास है। सरकार के इसमें सहभागी बनने से प्रदेश की तरक्की सुनिश्चित हो रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ 2025 का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें देश-विदेश से 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु भाग लेने आए थे। प्रदेश में जहां लाखों में लोग नहीं आते थे। उस प्रदेश के टूरिज्म, धार्मिक स्थलों पर करोड़ों लोग पहुंच रहे हैं। यह भी नए रोजगार का सृजन कर रहा है। कोई गाइड के रूप में, कोई टैक्सी चालक के रूप में तो कोई रेस्टोरेंट-होटल चलाकर इनसे कमाई कर रहा है। इसके लिए हमें मिलकर काम करना होगा।

कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मदद से बीमारियों के पैटर्न और पूर्वानुमान की पहचान संभव होगी, जिससे किसी भी महामारी को फैलने से पहले ही रोका जा सकेगा। उन्होंने

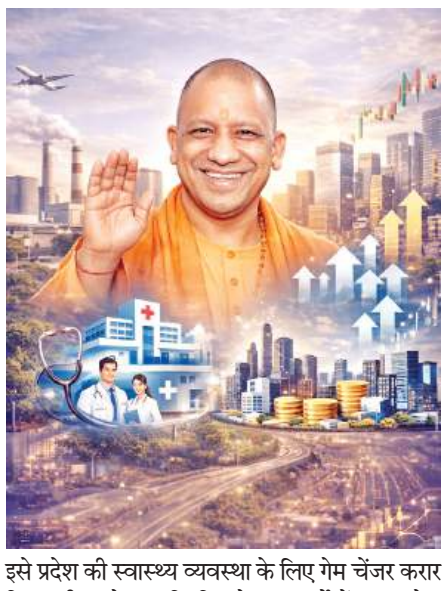

इसे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गेम चेंजर करार दिया। सीएम ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने तकनीक के बेहतर उपयोग से हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

सीएम योगी ने भरोसा जताया कि अब एआई के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाया जाएगा। एआई आधारित डेटा एनालिसिस से बीमारियों का ट्रेंड समझना आसान होगा और संवेदनशील इलाकों तक समय रहते पहुंचकर इलाज किया जा सकेगा।

सीएम योगी ने पूर्वांचल में इन्सेफलाइटिस पर काबू पाने का उदाहरण देते हुए कहा कि सघन सर्विलांस और डेटा आधारित रणनीति से आज उन क्षेत्रों में एक भी बच्चे की जान नहीं जा रही, जबकि पहले हर साल हजारों बच्चे बीमार पड़ते थे। उन्होंने कहा कि अब एआई इस प्रक्रिया को और प्रभावी बना देगा। सीएम ने ऐलान किया कि प्रदेश में सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं। लखनऊ को एआई सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डेटा सेंटर इकोसिस्टम खड़ा किया जाएगा। एआई मिशन पर करीब 3000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यूपी अब दुनिया को तकनीक आधारित विकास मॉडल देने की स्थिति में पहुंच रहा है।

हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार का जिक्र

सीएम योगी ने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में हुई सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि टेलीमेडिसिन सिस्टम में बड़ा सुधार हुआ है। मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। प्रदेश में अब 81 मेडिकल कॉलेज और दो एम्स संचालित हो रहे हैं। कोविड काल में वर्चुअल आईसीयू की शुरुआत कर सभी 75 जिलों में आईसीयू बेड बढ़ाए गए, जिससे यूपी का स्वास्थ्य सूचकांक राष्ट्रीय औसत के करीब पहुंचा है।

सीएम ने यह भी कहा कि प्रदेश में मेडिकल डिवाइस पार्क और फार्मा पार्क का निर्माण युद्धस्तर पर हो रहा है। एसजीपीजीआई लखनऊ में मेडटेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और गौतम बुद्ध नगर में एआई एंड इनोवेशन ड्रिवन एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर भी काम तेजी से चल रहा है।

जेल में संदिग्ध आतंकी रहमान का कत्ल, बंदी अरुण ने की हत्या

फरीदाबाद। हरियाणा की फरीदाबाद जेल में संदिग्ध आतंकी की हत्या का मामला सामने आया है। नीमका जेल में नुकीले हथियार से वार कर अब्दुल रहमान की हत्या की गई है। मध्य रात लगभग दो बजे साथी बंदी अरुण चौधरी ने हमला कर अब्दुल रहमान की हत्या की। जानकारी के अनुसार, फरीदाबाद की नीमका जेल में नुकीले हथियार से वार कर अब्दुल रहमान की हत्या की। संदिग्ध अब्दुल रहमान राम मंदिर को बम से उड़ाने की साजिश में शामिल था। इस हत्या को अंजाम देने का आरोप अरुण चौधरी नाम के साथी बंदी पर लगा है। अब्दुल रहमान जम्मू कश्मीर के कठुआ का रहने वाला था। अरुण चौधरी भी आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के चलते गिरफ्तार हुआ था और उसे अक्तूबर 2024 में नीमका जेल में शिफ्ट किया गया था। संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान का संबंध राम मंदिर को निशाना बनाने की एक बड़ी साजिश से था। उसे 2 मार्च 2025 को गुजरात एटीएस और हरियाणा एसटीएफ ने संयुक्त कार्रवाई में पाली इलाके से गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद से ही वह फरीदाबाद की नीमका जेल में बंद था। उसकी हत्या ने जेल सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली में ऐसा क्या होने वाला है?

होटल के कमरों का एक रात का किराया 2.32 लाख के पार

नई दिल्ली ● एजेंसी

राजधानी में पांच सितारा होटल के कमरों के किराये में भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है। खासतौर से 16 से 20 फरवरी 2026 तक इन होटलों में एक-एक रूम के लिए मारामारी है। राजधानी में इस दौरान इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन है। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिखर सम्मेलन नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होगा। देश-दुनिया के हजारों प्रतिनिधि इस कार्यक्रम के लिए शहर पहुंचेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में ग्लोबल कम्युनिटी से मजबूत उपस्थिति की उम्मीद है। इसमें कार्यक्रम से पहले 35,000 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए हैं। इस कारण दिल्ली में पांच सितारा होटलों के किराये आसमान छूने लगे हैं।

इकोनॉमिक टाइम्स (ईटी) के अनुसार, 16 फरवरी को दिल्ली के इम्पीरियल होटल में एक रात के कमरे का किराया 197,049 रुपये होगा। साथ ही 35,469 रुपये का अतिरिक्त टैक्स भी लगेगा। यानी एक रात का किराया 2,32,518 रुपये चार्ज किया जाएगा। हयात रीजेंसी (दिल्ली) प्रति रात लगभग 50,000 रुपये ले रहा है। वहीं, लीला पैलेस, दिल्ली टैक्स सहित प्रति रात 78,000 रुपये वसूल रहा है।

आंकड़ों से यह भी पता चला कि दिल्ली में शांगरी-ला इरोस होटल 18 फरवरी के लिए पूरी तरह से बुक है। लेकिन, 16 फरवरी को एक रात का किराया टैक्स सहित प्रति रात 89,000 रुपये होगा।

होटलों के रूम लगभग बुक- द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के होटल मैनेजर विनीत कपूर ने न्यूज पोर्टल को बताया, 'हम शहर के कार्यक्रमों और एआई शिखर सम्मेलन से हाई डिमांड के कारण चुनिंदा तारीखों पर फुल ऑक्यूपेंसी की उम्मीद कर रहे हैं। हम 19 और 20 फरवरी के लिए लगभग 'सोल्ड आउट' सिचुएशन में हैं।' उन्होंने कहा, 'सभी कमरों, जिनमें सुइट्स भी शामिल हैं, की मांग मजबूत है। अंतरराष्ट्रीय लीडर्स और प्रतिनिधियों की मेजबानी करेंगे।' लीला पैलेस, आईटीसी मौर्य और ताज पैलेस जैसे पांच सितारा होटल उनमें शामिल हैं जो पीक सीजन रेट पर मध्यम मूल्य निर्धारण के साथ अपने कमरे पेश कर रहे हैं। इरोस होटल, नई दिल्ली के महाप्रबंधक दविंदर जुज ने बताया कि फरवरी 2026 में अन्य तारीखों की तुलना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिखर सम्मेलन के दौरान कीमतों में लगभग 30-50% की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा, 'दिसंबर और जनवरी में व्यवसाय उम्मीद से थोड़ा नरम रहा है। प्रति उपलब्ध कमरा राजस्व बढ़ोतरी ने अन्य बाजारों में देखे गए स्तरों को पूरा नहीं किया है।' जुज बोले, 'हम आने वाले महीनों में राजस्व बढ़ाने के लिए अपनी रणनीतियों को एडजस्ट कर रहे हैं।'

दूल्हे की घोड़ी कुएं में कूदी, ढोल-डीजे से बेकाबू हुई

दूल्हे ने कूदकर बचाई जान; ग्रामीणों ने घोड़ी को किया रेस्क्यू

खंडवा ● एजेंसी

खंडवा जिले के ग्राम फतेहपुर में रविवार को एक शादी के दौरान बड़ा हादसा होते-होते बचा। ढोल और डीजे के शोर से घबराई घोड़ी अचानक बेकाबू हो गई और पास ही स्थित खुले कुएं में जा गिरी। गनीमत रही कि दूल्हे ने समय रहते घोड़ी से छलांग लगा दी और उसकी जान बच गई।

जानकारी के मुताबिक रविवार को छैगांवमाखन क्षेत्र के ग्राम आवल्या विठ्ठल से बारात फतेहपुर पहुंची थी। दूल्हे को घोड़ी पर बैठाकर बारात गांव में प्रवेश कर रही थी। बाराती ढोल और डीजे के गानों पर नाचते-गाते आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान अचानक घोड़ी घबरा गई।

दूल्हे ने सूझबूझ दिखाई, फौरन कूदा- देखते ही देखते घोड़ी का संतुलन बिगड़ गया और

वह पास में स्थित खुले कुएं में जा गिरी। पूरा घटनाक्रम इतनी तेजी से हुआ कि लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला। घोड़ी के बेकाबू होते ही दूल्हे ने सूझबूझ दिखाई और फौरन कूद गया। इससे उसकी जान बच गई और बड़ा हादसा टल गया।

ग्रामीण कुएं की ओर दौड़े, घोड़ी को निकाला- घटना के बाद बारात में अफरा-तफरी मच गई। बाराती और आसपास के ग्रामीण तुरंत कुएं की ओर दौड़े। कुएं में पानी भरा होने के कारण घोड़ी की जान को खतरा था। लोग उसे बचाने में जुट गए। काफी कोशिशों के बाद ग्रामीणों ने मिलकर घोड़ी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद सभी ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों ने बताया कि यह कुआं गांव से लगी कोटवार की सरकारी जमीन पर है और लंबे समय से खुला हुआ है।

दो साल पहले इसी कुएं में बैल गिर चुका है- बताया जा रहा है कि करीब दो साल पहले इसी कुएं में एक बैल गिर चुका है। पिछले साल कोंडावद हादसे के बाद भी ग्रामीणों ने प्रशासन को इस बारे में जानकारी दी थी, लेकिन अब तक सेफ्टी को लेकर ध्यान नहीं दिया गया।

इंदौर में रालामंडल ब्रिज पर ट्रैफिक शुरू

इंदौर ● संवाददाता

40 करोड़ की लागत से तैयार रालामंडल फ्लायओवर को सोमवार से खोल दिया गया है। डेढ़ साल की देरी और कई हादसों के बाद खुले इस ब्रिज से अब हर दिन 1 लाख से ज्यादा वाहन बिना रुके गुजर सकेंगे।

रालामंडल फ्लायओवर शुरू होने से अब तिल्लौर और रालामंडल की तरफ जाने वाले वाहनों को जान जोखिम में डालकर डिवाइडर पार नहीं करना पड़ेगा। इस ब्रिज के शुरू होने से न केवल समय बचेगा बल्कि ईंधन की भी बड़ी बचत होगी। 800 मीटर लंबा यह छह लेन ब्रिज अपनी तय समयसीमा से लगभग दो साल देरी से तैयार हुआ है। फिलहाल अधूरी तैयारियों के बीच इसकी एक ही लेन ट्रैफिक के लिए शुरू की गई है। अभी मांगलिया से तेजाजी नगर की दिशा में जाने वाली लेन ही खोली गई है, जबकि दूसरी लेन पर ट्रैफिक शुरू नहीं किया गया है। पिछले चार दिनों से ब्रिज पर ट्रायल रन चल रहा था, जिसके बाद सोमवार से आंशिक रूप से इसे खोल दिया गया। फिनिशिंग अधूरी है और डिवाइडर की जगह रेत की बोरियां रखी हैं, लेकिन ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए प्रशासन ने इसे शुरू करने का फैसला लिया है।

इस ब्रिज के बनने से क्या-क्या बदलेगा

फायदा : रालामंडल, तिल्लौर, तिंछा फॉल और खंडवा रोड की तरफ जाने वाले वाहन चालक अब बिना चक्कर लगाए सीधे निकल सकेंगे।

समय की बचत : पहले फ्लायओवर नहीं होने से बायपास पर लंबा जाम लगता था। अब रोजाना करीब 1 लाख वाहन ऊपर से फर्राटा भर सकेंगे।

सुरक्षा : पहले ग्रामीण रास्ता न होने के कारण डिवाइडर तोड़कर वाहन निकालते थे, जिससे हादसे होते थे। अब ब्रिज के नीचे से सुरक्षित रास्ता दिया गया है।

आगे ये प्रोजेक्ट भी सुधारेंगे इंदौर का ट्रैफिक

बायपास पर अर्जुन बड़ौद और एमआर-10 जंक्शन के ब्रिज भी तैयार किए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार इन्हें ट्रैफिक के लिए खोलने में अभी तीन से चार महीने लग सकते हैं। इन प्रोजेक्ट्स के पूरे होने से शहर का ट्रैफिक और सुगम होने की उम्मीद है।

बैंक कर्मचारी ने गोली मारकर खुदकुशी की

घर खाली कराने पहुंची थी टीम; मकान पर ढाई करोड़ का कर्ज था

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में बैंककर्मी ने गोली मारकर खुदकुशी कर ली। घटना विजय नगर में सिनर्जी अस्पताल के पास सोमवार शाम करीब साढ़े 5 बजे की है। मृतक का नाम हेमंत पिता एसडी ब्रह्मवंशी बताया गया है। वह को-ऑपरेटिव बैंक में काम करता था।

हेमंत ने अपने मकान को गिरवी रखकर बैंक ऑफ महाराष्ट्र से ढाई करोड़ का कर्ज ले रखा था। डेढ़ साल से किश्त न चुकाने पर बैंक की टीम मकान खाली कराने पहुंची थी। बैंक के कर्मचारी मकान की पहली मंजिल पर लिखा-पढ़ी कर रहे थे, इसी दौरान हेमंत ने आत्महत्या कर ली। हेमंत के परिवार में दो लड़के, एक लड़की और मां हैं। हेमंत का बड़ा बेटा एक आईटी कंपनी में कार्यरत है। उनका दूसरा बेटा वर्तमान में पढ़ाई कर रहा है। बेटी पुणे में अध्ययनरत है। हेमंत अकाउंट सेक्शन में पदस्थ था। कर्ज के चलते डिप्रेशन में था

हेमंत ब्रह्मवंशी, मृतक

विजय नगर थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने कहा- हेमंत ने अपनी लायसेंसी बंदूक से सिर पर गोली मारी। वह अपने रूम में अकेला बैठा था। कर्ज के चलते काफी समय से वह डिप्रेशन में था। इलाज भी चल रहा था। बड़े बेटे ने इसकी पुष्टि की है। टीआई पटेल के मुताबिक, कर्ज चुकाने को लेकर बैंक से कई बार नोटिस तामील हुए थे। हेमंत उसका जबाव नहीं देता था।

इंदौर में पान दुकान पर युवक को हार्ट अटैक, मौत

युवक अचानक गश खाकर गिरा, लोग एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र स्थित बिचौली मर्दाना इलाके में एक पान की दुकान पर काम कर रहे युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। युवक अचानक गश खाकर गिर पड़ा, जिसके बाद आसपास मौजूद लोग उसे तुरंत एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान कुलदीप (22) पुत्र शंभूसिंह निवासी गुलमर्ग परिसर के रूप में हुई है। रिश्तेदारों ने बताया कि कुलदीप अपने परिचित भगवत सिंह की बिचौली मर्दाना स्थित पान की दुकान पर काम कर रहा था। रविवार को अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश होकर गिर गया। परिजनों के अनुसार कुलदीप करीब छह माह पहले ही इंदौर आया था और अपने चाचा के साथ रह रहा था। वह निजी कंपनी में नौकरी करता था। भगवत सिंह को दो दिन के लिए बाहर जाना था, इसलिए उसने कुलदीप से दुकान संभालने के लिए कहा था। कुलदीप मूल रुप से राजस्थान का रहने वाला था। उसके पिता खेती करते हैं, जबकि एक भाई और दो बहनें गांव में ही रहते हैं। पोस्ट मार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और वे शव लेकर राजस्थान रवाना हो गए हैं।

कांग्रेस का 'महिला कार्ड' चुनाव के लिए प्लान तैयार

1636 बूथों पर महिला नेतृत्व की तैयारी, कांग्रेस का नया संगठन मॉडल; हर बूथ पर तैनात होंगी महिला प्रभारी

इंदौर ● संवाददाता

वोट बैंक की राजनीति में कांग्रेस इस बार महिला कार्यकर्ताओं के दम पर बाजी पलटने की तैयारी में है। सेवादल से लेकर एनएसयूआई तक की महिला विंग को सक्रिय कर पार्टी हर बूथ पर एक नया शक्ति केंद्र (महिला मंडल) बनाने जा रही है। पार्टी का मानना है कि इससे महिला मतदाताओं के बीच कांग्रेस की पकड़ और मजबूत होगी।

इसके लिए कांग्रेस ने जमीनी स्तर पर एक मेगा प्लान तैयार किया है, जिसके तहत नगर निगम के 85 वार्डों के कुल 1636 बूथों पर महिला बूथ प्रभारियों की नियुक्ति की जाएगी। कांग्रेस अपनी इस रणनीति में किसी नए प्रयोग के बजाय अनुभवी और सक्रिय चेहरों पर दांव लगा रही है। पार्टी की योजना के मुताबिक महिला कांग्रेस की पुरानी और सक्रिय नेताओं को कमान सौंपी जाएगी। एनएसयूआई, सेवादल और यूथ कांग्रेस से जुड़ी महिला नेत्रियों को उनके ही वार्ड में बूथ प्रभारी बनाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है।

हर बूथ पर बनेगा 'महिला मंडल'

पार्टी सिर्फ प्रभारियों की नियुक्ति तक सीमित नहीं है। योजना के अनुसार, प्रत्येक बूथ पर एक 'महिला मंडल' का गठन किया जाएगा। ये महिला मंडल घर-घर जाकर जनसंपर्क करेंगे, मतदाताओं से सीधा संवाद करेंगे और चुनाव के दौरान होने वाली सभी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

33% महिला आरक्षण का दिख रहा असर

पार्टी सूत्रों की मानें तो इस पूरी कवायद के पीछे आगामी चुनावों में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का प्रभाव एक बड़ी वजह है। कांग्रेस को उम्मीद है कि महिला नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की भारी भागीदारी से चुनावी समीकरणों पर सकारात्मक असर पड़ेगा और यह कदम गेमचेंजर साबित हो सकता है।

प्रॉपर्टी टैक्स के रुपए जमा करने गए व्यापारी से लूट

धमकाकर पैसे ट्रांसफर कराए, वारदात में दो पुलिसकर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के पलासिया इलाके में ब्रोकरशिप और कपड़े की दुकान में काम करने वाले युवकों द्वारा एक व्यापारी से लूट की वारदात को अंजाम देने का मामला सामने आया है। इस प्रकरण में दो पुलिसकर्मियों की संदिग्ध भूमिका भी उजागर हुई है।

शुरुआत में मामला पलासिया थाने पहुंचा, जहां समझौते का प्रयास किया गया, लेकिन जब सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों तक घटना की जानकारी पहुंची तो कार्रवाई शुरू हुई। पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ लूट का केस दर्ज किया है। जबकि दोनों पुलिसकर्मियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

2 लाख रुपए नकद अपने पास रख लिए

एसीपी तुषार सिंह के अनुसार, 7 फरवरी को अब्दुल फहद के साथ वारदात हुई थी। वह प्रॉपर्टी टैक्स की रकम एटीएम में जमा करने जा रहे थे, तभी दो युवकों ने कुछ पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर लूट की। आरोपियों ने फहद से 4 हजार यूएसटीडी ट्रांसफर करवा लिए और करीब 2 लाख रुपए नकद अपने पास रख लिए। मामले में सोमवार को पलासिया पुलिस ने नावेद और साहिल के खिलाफ लूट की FIR दर्ज की है। वहीं, एमआईजी थाने में पदस्थ सिपाही मनोज और अविनाश की

भूमिका की जांच की जा रही है। पीड़ित अब्दुल फहद ने बताया कि चंद्रलोक कॉलोनी के पास साहिल उसके पास आया था, उसके साथ नावेद और दो पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। पहले वह शिकायत लेकर पलासिया थाने पहुंचा था, लेकिन पुलिसकर्मियों के नाम सामने आते ही मामला दबाने की कोशिश की गई। इसके बाद पीड़ित ने वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की। मामला उजागर होने पर अधिकारियों ने एसीपी को पलासिया थाने भेजकर जांच करवाई। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि आरोपियों के बीच क्रिप्टोकरेंसी को लेकर पहले से लेन-देन चल रहा था।

किन्नर विवाद में लापरवाही, पंढरीनाथ टीआई लाइन अटैच

इंदौर के पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में किन्नरों के बीच हुए विवाद के मामले में लापरवाही बरतने पर थाना प्रभारी को सोमवार को लाइन अटैच कर दिया गया। डीसीपी जोन-1 लालकृष्ण चंदानी ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि टीआई अजय राजोरिया को प्रशासनिक कारणों से पुलिस लाइन भेजा गया है। डीसीपी के अनुसार, किन्नर विवाद में आरोपी रही सपना गुरु के खिलाफ दर्ज एक मामले की केस डायरी समय पर कोर्ट में पेश नहीं की गई थी। इस लापरवाही के चलते आरोपी को जमानत मिल गई। मामले की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने टीआई की भूमिका को संदिग्ध माना, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी टीआई अजय राजोरिया पर दो साल पुराने एक शिकायती आवेदन में FIR दर्ज करने में देरी के आरोप लगे थे। लगातार सामने आ रही शिकायतों और कार्यप्रणाली में लापरवाही को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने यह कदम उठाया है।

इधर, योगेंद्र सिंह रघुवंशी को मूल पद आरक्षक पर किया वापस

इंदौर ट्रैफिक पुलिस में पदस्थ कार्यवाहक प्रधान आरक्षक योगेंद्र सिंह रघुवंशी के विरुद्ध कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं कदाचरण के आरोपों के चलते अनुशासनात्मक एवं विभागीय कार्रवाई की गई है।

डीसीपी (ट्रैफिक) इंदौर द्वारा की गई इस कार्रवाई के तहत प्रधान आरक्षक का कार्यवाहक प्रभार वापस लेते हुए उन्हें सजा स्वरूप मूल पद आरक्षक पर पदस्थ किया गया है।

इंदौर में कॉलेज छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

बहन ने दी परिवार को सूचना, एक निजी कंपनी का ड्राइवर भी फांसी में झूला

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के डीआरपी लाइन स्थित क्वार्टर में रविवार को एक 17 वर्षीय छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। छात्रा मूल रूप से धार जिले की रहने वाली थी और इंदौर में रहकर कॉलेज की पढ़ाई कर रही थी। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एमजी रोड थाना पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान दुर्गा कन्नोजे (17) के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि रविवार शाम वह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकली थी। इस पर उसकी चचेरी बहन उसे देखने कमरे तक गई, लेकिन वापस लौट आई। कुछ समय बाद जब दुर्गा को फिर आवाज दी गई और अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, तो उसने अपने पिता विक्रम को इसकी जानकारी दी। इसके बाद परिवार के लोगों ने कमरे का दरवाजा तोड़ा, जहां दुर्गा अंदर फंदे पर लटकी हुई मिली।

मौके से नहीं मिला सुसाइड नोट

परिजनों के अनुसार दुर्गा एक दिन पहले ही धार से इंदौर आई थी। इससे पहले वह हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी, लेकिन कॉलेज की पढ़ाई शुरू होने के बाद वह अपने चाचा के यहां रहने लगी थी। पुलिस को मौके से किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। दुर्गा के पिता किसान हैं और उसकी एक बहन व एक भाई गांव में रहते हैं। वहीं, उसके चाचा और बुआ इंदौर पुलिस में पदस्थ बताए गए हैं।

निजी कंपनी के ड्राइवर ने भी फांसी लगाई

उधर, इंदौर के अभिषेक नगर क्षेत्र में भी रविवार को आत्महत्या की एक और घटना सामने आई है। पुलिस के मुताबिक कपिल सिसौदिया (30) पुत्र मोहनलाल सिसौदिया ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। कपिल एक निजी कंपनी में वाहन चालक था। रविवार शाम वह घर लौटा था। परिजनों को लगा कि वह कमरे में सो रहा है, लेकिन जब उसकी पत्नी कमरे में पहुंची तो वह फंदे पर लटका मिला। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों को सूचना दी गई और कपिल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रिलायस फैशन फैक्ट्री से कपड़े चुराते पकड़ाए युवक

पुराने कपड़ों के अंदर पहन लिए थे नए कपड़े, गेट पर चेकिंग में पकड़े गए; केस दर्ज

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के द्वारकापुरी में रिलायंस फैशन फैक्ट्री में चोरी की वारदात सामने आई है। डिपार्टमेंट मैनेजर ने दो युवकों को रंगे हाथों पकड़ा और द्वारकापुरी पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। मामले में पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज करते हुए युवकों से करीब 32 हजार रुपए का सामान बरामद कर लिया है। ये वही युवक हैं, जिन्होंने पांच माह पहले भी इसी फैक्ट्री से चोरी की थी और इंदौर में रहे उनके गांव के आईपीएस अधिकारी ने उन्हें बगैर कार्रवाई छुड़वा दिया था।

द्वारकापुरी पुलिस ने बताया कि चोरी के मामले में रामराज पुत्र घनश्याम मीणा ग्राम पिलोदा तहसील बजीरपुर जिला सवाई माधोपुर राजस्थान और राहुल पुत्र धर्मराज मीणा को पकड़ा है। वहीं फैक्ट्री के मैनेजर रवीन्द्र मौर्य ने बताया कि रविवार दोपहर दोनों युवक कपड़े खरीदने आए थे। वे ट्राई करने के लिए चेंजिंग रूम गए, जहां नए कपड़ों के टैग निकाले और पहन लिए। उनके ऊपर से अपने पुराने कपड़े पहन लिए और आउटलेट से बाहर जा रहे थे। गेट पर मशीन की बीप बज गई। जिससे गार्ड को शक हुआ और दोनों की तलाश ली गई। जांच में पता चला कि युवकों ने अपने पेंट के अंदर 3 जींस और शर्ट के अंदर 7 शर्ट पहन रखी थीं। उन्हें पकड़ कर पुलिस के सुपुर्द किया गया। महिला की सोने की चेन चुराई द्वारकापुरी पुलिस ने सुमन चौहान निवासी सुदामा नगर की शिकायत पर अज्ञात ऑटो ड्राइवर और उसमें बैठी एक महिला और दो युवकों के खिलाफ चोरी की एफआईआर दर्ज की है।

सड़क परियोजनाओं की समीक्षा करने पहुंचे महापौर

झोन-10 के साकेत, तिलक नगर और मनीषपुरी में विकास कार्यों का निरीक्षण किया

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने की दिशा में नगर निगम लगातार प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में सोमवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। वे झोन क्रमांक-10 के अंतर्गत साकेत नगर, तिलक नगर और मनीषपुरी क्षेत्र पहुंचे।

इस दौरान विधायक महेंद्र हार्डिया, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, एमआईसी मेंबर राजेंद्र राठौर, राजेश उदावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि और निगम अधिकारी मौजूद रहे। महापौर ने यहां चल रहे कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और समय-सीमा को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली।

सड़क कार्यों का किया निरीक्षण

महापौर ने संविद नगर के पास स्थित

सरकारी खदान की भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने निगम अधिकारियों से कहा कि यदि यह भूमि निगम स्वामित्व की है, तो इसके लिए डेवलपमेंट प्लान तैयार किया जाए, ताकि भविष्य में क्षेत्र की सुविधाओं के विस्तार में इसका उपयोग किया जा सके। इसके बाद महापौर श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल से महावीर बाग पानी की टंकी तक बन रही सड़क परियोजना स्थल पर पहुंचे। लगभग 2.27 करोड़ रुपए की लागत से बन रही यह सड़क 370 मीटर लंबी और 18 मीटर चौड़ी होगी। महापौर ने निर्माण कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सड़क क्षेत्र की महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी, इसलिए इसे निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाना आवश्यक है। उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और ठेकेदार को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

लिंक रोड और लाइट पोल शिफ्टिंग के निर्देश

इसके बाद महापौर, जनप्रतिनिधि और अधिकारी मनीषपुरी से रिंग रोड को जोड़ने वाली लिंक रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने निर्माणाधीन सड़क का शेष कार्य शीघ्र पूरा करने और सड़क के बीच स्थित पुराने लाइट पोल को शिफ्ट करने के निर्देश दिए।

मूलभूत सुविधाएं निगम की प्राथमिकता

महापौर ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता शहर के प्रत्येक क्षेत्र तक सुव्यवस्थित सड़कें, जलप्रदाय और अन्य मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चल रही परियोजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। महापौर ने कहा कि विकास कार्यों की सतत निगरानी और नागरिकों से संवाद, शहर के निरंतर विकास के महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में जलप्रदाय, सड़क निर्माण और अन्य समस्याओं से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

कुत्ते ने बच्चे को काटा, रेबीज-इंजेक्शन लगने पर भी मौत

दिमाग तक पहुंचा वायरस, पड़ोसी ने सिर-गर्दन नोचते छुड़ाया था; अब परिवार को खतरा

दतिया ● संवाददाता

मध्य प्रदेश के दतिया में आवारा कुत्ते के काटने के 25 दिन बाद 6 साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे को एंटी-रेबीज वैक्सीन की तीन डोज दी जा चुकी थीं, लेकिन सिर और गर्दन पर काटने की वजह से वायरस तेजी से दिमाग तक पहुंच गया, जिससे बच्चे की जान नहीं बच पाई। हालांकि कुछ दिनों बाद कुत्ता भी गांव में मरा मिला है।

मामला दतिया के सपा पहाड़ क्षेत्र का है। अशोक प्रजापति का 6 वर्षीय बेटा हंस प्रजापति 13 जनवरी की दोपहर घर के बाहर खेल रहा था, तभी गली में घूम रहे एक आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्चे के सिर, हाथ और गर्दन को नोच डाला। पड़ोस में रहने वाली सीमा कुशवाहा ने बताया कि कुत्ते के हमले से बच्चा चीख रहा था। बच्चे की चीख सुनकर दौड़कर मौके पर पहुंचीं। कुत्ते को भगाया। बच्चा लहूलुहान हो चुका था। दर्द से कराह रहा था। परिजन तत्काल बच्चे को दतिया जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।

आखिरी डोज से पहले बच्चे की मौत

इस दौरान डॉक्टर्स ने एंटी-रेबीज वैक्सीन, टिटनेस का इंजेक्शन और इम्युनोग्लोबिन लगाया। तय डेट के मुताबिक 16 जनवरी को दूसरी और 20 जनवरी को तीसरी डोज दी गई। अंतिम डोज 10 फरवरी को लगनी थी, लेकिन 6 फरवरी की शाम बच्चे में रेबीज के गंभीर लक्षण दिखाई देने लगे। हंस प्रजापति स्कूल से घर आया तो सिर दर्द की शिकायत की। इस दौरान उसके मुंह से लार बह रही थी। हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल के पीआईसीयू में भर्ती किया गया। यहां से डॉक्टर्स ने ग्वालियर रेफर किया। परिजन ग्वालियर से झांसी लेकर गए, लेकिन रविवार की रात बच्चे ने दम तोड़ दिया।

परिवार को सता रहा संक्रमण का डर

बच्चे के दादा पूरन प्रजापति ने बताया कि ग्वालियर और झांसी के डॉक्टर्स ने परिवार को तुरंत वैक्सीनेशन कराने की सलाह दी है। डॉक्टर्स ने कहा है कि बच्चे में रेबीज के लक्षण उभर आए थे। परिवार के सदस्य संपर्क में थे। लार या शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क से संक्रमण फैलने की आशंका रहती है। पूरन प्रजापति ने बताया कि इस सलाह के बाद परिवार दहशत में है। हमें भी डर लग रहा है कि कहीं किसी को कुछ हो न जाए। हॉस्पिटल में वैक्सीनेशन कराने जाएंगे, ताकि परिवार के लोग सुरक्षित रह सकें।

हंस प्रजापति

इलाज में लापरवाही का आरोप

मृतक के चाचा हरिराम प्रजापति ने आरोप लगाया कि जिला अस्पताल में बच्चे का अच्छे से इलाज नहीं किया गया। 13 जनवरी को काटने के बाद सभी वैक्सीन लगी थीं। 6 फरवरी को तबीयत बिगड़ी तो अस्पताल लेकर गए, लेकिन समय रहते सही इलाज नहीं मिला। डॉक्टरों ने देर से रेफर किया।

नगर पालिका ने कहा- कुत्तों को मार दो, हम उठा लेंगे

परिजनों और मोहल्ले वालों का आरोप है कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों का झुंड सक्रिय है। इससे पहले भी ये कुत्ते बच्चों और पालतू जानवरों पर हमला कर चुके हैं। नगरपालिका में कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि अधिकारियों ने कहा कि कुत्तों को मार दो, हम उठा लेंगे। मजबूरी में मोहल्ले के लोगों ने तीन-चार कुत्तों को मारकर गली से बाहर फेंक दिया।

रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह पता चलेगी

दतिया कलेक्टर स्वप्निल बान ने कहा कि अस्पताल में वैक्सीन उपलब्ध थी। बच्चे को वैक्सीन लगाई गई थी। नगर पालिका से शिकायत की गई थी। नगर पालिका भी अपना काम कर रही है। दतिया कलेक्टर ने यह भी बताया कि नगर पालिका लगातार आवारा कुत्तों के लिए नसबंदी और वैक्सीनेशन प्रोग्राम चला रही है। हालांकि, हाई कोर्ट के दिशा निर्देशों के आधार पर जांच भी की जाएगी।

मेडिकल कॉलेज के डॉ. पी. अधिकारी (प्राध्यापक, पीएसएम विभाग) ने बताया कि कुत्ते या किसी संदिग्ध जानवर के काटने पर तुरंत एंटी-रेबीज वैक्सीन लगवाना जरूरी है। अगर काटने की जगह गर्दन, सिर या कंधे के ऊपर हो, या गहरा घाव हो, तो वैक्सीन के साथ इम्युनोग्लोबिन भी अनिवार्य है। तीन डोज के बाद शरीर में एंटीबॉडी बनती हैं, लेकिन सुरक्षा करीब 95 प्रतिशत रहती है। रेबीज से पूरी सुरक्षा के लिए सभी पांच डोज समय पर लगवाना जरूरी है।

मंदिर की छत गिरी, 3 बच्चियों की मौत

मुरैना में पटिया ढहने से हादसा, मृतकों में दो सगी बहनें; दंपती-बेटी समेत 6 घायल

मुरैना ● संवाददाता

मुरैना जिले के अहरौली गांव में चामड़ माता के मंदिर की छत गिर गई। मलबे में दबकर 3 बच्चियों की मौत हो गई। 4 अन्य बच्चियां और एक दंपती घायल हैं। हादसा सोमवार दोपहर करीब दो बजे मंदिर में गुंबद निर्माण के लिए पुरानी छत तोड़ते वक्त हुआ।

गांव में ही रहने वाले सतीश गौड पत्नी पृथ्वी के साथ मंदिर में प्रसाद चढ़ाने आए थे। उन्होंने प्रसाद देने के लिए कुछ बच्चियों को भी मंदिर के भीतर बुला लिया। इसी दौरान पुरानी छत की पटिया गिर गई और नीचे बैठीं बच्चियां मलबे में दब गईं।

इन बच्चियों की गई जान

- वैष्णवी सिकरवार (11) पुत्री जीतू सिकरवार
- करिश्मा गोस्वामी (9) पुत्री अशोक गोस्वामी
- छाया गोस्वामी (7) पुत्री अशोक गोस्वामी

हादसे में ये घायल

- गुंजन (12) पुत्री योगेंद्र सिंह
- परी (8) पुत्री योगेंद्र सिंह
- विद्या (6) पुत्री योगेंद्र सिंह
- सतीश गौड (45)
- पृथ्वी गौड (40) पत्नी सतीश गौड
- मानसी गौड (14) पुत्री सतीश गौड

ग्रामीणों ने मलबे से निकाले शव

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मलबा हटाकर घायलों और शवों को बाहर निकाला। सूचना पर एसडीएम जौरा शुभम शर्मा, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को कैलारस अस्पताल में भर्ती कराया।

गुंबद का भार नहीं सह सकी पुरानी छत

स्थानीय निवासी लालू शर्मा ने कहा- चामड़ माता के इस मंदिर की स्थापना करीब 150 साल पहले हुई थी। शुरुआत में यह मंदिर केवल चबूतरे के रूप में था। करीब 7 साल पहले ग्रामीणों ने चंदा इकट्ठा करके दीवारें और छोटी पटियाओं के सहारे छत बनवाई थी। फिलहाल पुरानी और कमजोर छत को हटाए बिना गुंबद बनवाया जा रहा था।

उज्जैन में फ्रिज में शार्ट सर्किट से धमाका

योगेश्वरी टेकरी पर मकानों में लगी आग, 2 घर का सामान खाक

उज्जैन ● संवाददाता

उज्जैन में एक फ्रिज में ब्लास्ट हो गया। रविवार शाम करीब 4:30 बजे योगेश्वरी टेकरी क्षेत्र स्थित एक मकान में रखे फ्रिज में शॉर्ट सर्किट के कारण विस्फोट हुआ, जिससे आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग से दो मकानों में रखा सामान जलकर खाक हो गया। जबकि आसपास के तीन अन्य मकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया।

घटना के समय घरों में कोई मौजूद नहीं था। पड़ोसियों ने धुआं और आग की लपटें देखकर तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

टेकरी पर नहीं पहुंच पाई दमकलें

योगेश्वरी टेकरी ऊंचाई पर स्थित होने के कारण दमकल की गाड़ियां घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाईं। दमकल कर्मियों ने नीचे से पाइप बिछाकर पानी पहुंचाया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, आग बुझने तक चार मकान पूरी तरह जल चुके थे। आग से सबसे अधिक नुकसान गोरेश्वरी तंवर के मकान को हुआ। उन्होंने बताया, 'मेरा पूरा घर जल गया है, कुछ भी नहीं बचा। फ्रिज ब्लास्ट हो गया था, हमें पता ही नहीं चला क्योंकि हम घर पर नहीं थे। तीन-चार घरों में आग लग गई, मेरा घर पूरी तरह जल चुका है।'

घर में रखे सोफा, फ्रिज, कपड़े खाक

पड़ोस में रहने वाली नर्मदा कुमावत ने बताया कि घर का सारा सामान, टीवी, फ्रिज, सोफा और कपड़े जलकर राख हो गए। गनीमत रही कि घर में कोई नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। सीमा ललावत का घर भी आग की चपेट में आया है। उन्होंने बताया कि मैं काम पर गई थीं, तभी उनके पति का फोन आया कि पड़ोस में आग लग गई। लौटीं तो सारा सामान जल चुका था।

CSP ने हादसे का कारण शॉर्ट सर्किट बताया

सीएसपी राहुल देशमुख ने बताया कि आग लगने के सही कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में फ्रिज में शॉर्ट सर्किट और ब्लास्ट की बात सामने आई है, लेकिन इसकी पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही हो पाएगी।

ईशानगर में मेमो ट्रेन से कटा युवक का पैर

छतरपुर। छतरपुर जिले के ईशानगर थाना क्षेत्र में सोमवार करीब 5 बजे एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में युवक का एक पैर कट गया। घायल की पहचान ईशानगर निवासी देवेंद्र उर्फ मुन्नू विश्वकर्मा के रुप में हुई। जानकारी के अनुसार, देवेंद्र सुबह मेमो ट्रेन पकड़ने का प्रयास कर रहा था, तभी वह ट्रेन के नीचे आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल डायल-112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही आरक्षक धर्मेंद्र मिश्रा और पायलट सूरज अहिरवार की डायल-112 टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने एफआरव्ही की मदद से घायल युवक को तुरंत छतरपुर जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे ग्वालियर रेफर कर दिया। घायल की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। डायल-112 टीम ने बताया कि सूचना पर त्वरित कार्रवाई कर घायल को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस और प्रशासन हादसे के कारणों की जांच कर रहे हैं।

छतरपुर में डायल 112 वाहन खाई में गिरा : टायर फटने से हादसा, दो पुलिसकर्मी घायल, ग्रामीणों ने किया रेस्क्यू

छतरपुर ● संवाददाता

छतरपुर जिले में एक डायल 112 (FRV) वाहन सड़क हादसे का शिकार हो गया। हादसे में वाहन में सवार पायलट और एक आरक्षक घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

यह घटना किशनगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार रात करीब 11 बजे हुई। डायल 112 को एक शराबी युवक द्वारा उत्पात मचाने की सूचना मिली थी। इस पर FRV 112 किशनगढ़ से देवरा की ओर रवाना हुई। रास्ते में वाहन का पिछला टायर अचानक फट गया। तेज रफ्तार गाड़ी अनियंत्रित होकर 3 से 4 पलटी खाते हुए सड़क किनारे 20-30 फीट गहरी खाई में जा गिरी। टायर फटने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था और आरक्षक शक्ति सिंह तथा पायलट नरेश पटेल गाड़ी में फंसे हुए थे। ग्रामीणों ने टॉर्च की रोशनी में कड़ी मशक्कत कर दोनों को वाहन से बाहर निकाला। सूचना मिलने पर बिजावर के एसडीओपी अजय रिठौरिया भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कर घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। एसडीओपी अजय रिठौरिया ने बताया कि डायल 112 वाहन एक सूचना पर जा रहा था, तभी टायर फटने से यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही कोई अन्य वाहन इसकी चपेट में आया। घायल आरक्षक शक्ति सिंह और पायलट नरेश पटेल का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कार ने 8 साल के बच्चे को कुचला, मौत

टीकमगढ़। टीकमगढ़ में झांसी हाईवे पर सोमवार रात एक तेज रफ्तार कार ने 8 साल के बच्चे को कुचल दिया। हादसे के बाद मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना दिगौड़ा थाना इलाके के बिघा तिराहा के पास की है। 8 साल का भारत कुशवाहा अपने पिता बालमुकुंद के साथ एक रिश्तेदारी से लौट रहा था। शाम करीब 7:30 बजे जैसे ही भारत यात्री बस से नीचे उतरा, पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि भारत काफी दूर जाकर गिरा।

मदद के बहाने अस्पताल पहुंचे और फरार हुए

हादसे के बाद कार में सवार चार लोगों ने मदद का नाटक किया। वे बच्चे को अपनी कार में डालकर अस्पताल ले जाने लगे, उनके साथ बच्चे के माता-पिता भी बैठ गए। जैसे ही जिला अस्पताल पहुंचकर माता-पिता बच्चे को लेकर अंदर गए, चारों आरोपी अपनी कार वहीं छोड़कर रफूचक्कर हो गए। डॉक्टर ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपियों की कार को अपने कब्जे में ले लिया है और फरार हुए चारों लोगों की तलाश की जा रही है। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरु कर दी गई है।

छतरपुर में केन-बेतवा लिंक पर विरोध तेज

सामाजिक कार्यकर्ता की गिरफ्तारी पर महिलाओं का प्रदर्शन, बांध का काम पांचवें दिन भी ठप

छतरपुर ● संवाददाता

छतरपुर जिले में केन-बेतवा लिंक परियोजना को लेकर विरोध तेज होता जा रहा है। शुक्रवार सुबह पुलिस ने सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि भटनागर परियोजना से प्रभावित परिवारों के अधिकारों की पैरवी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें धारा 151 के तहत हिरासत में लिया है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई है।

अमित भटनागर की गिरफ्तारी के विरोध में दौड़न बांध स्थल पर बड़ी संख्या में आदिवासी महिलाओं ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने साफ कहा कि जब तक अमित भटनागर को रिहा नहीं किया जाता और प्रभावित परिवारों को उनके अधिकारों की कानूनी गारंटी नहीं मिलती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि 15 गांवों में चूल्हा नहीं जलेगा। इस विरोध के चलते दौड़न बांध का निर्माण कार्य लगातार पांचवें दिन भी पूरी तरह ठप रहा।

तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने प्रशासन पर मनमानी और तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि यह लड़ाई केवल मुआवजे की नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की है। उन्होंने दोहराया कि जब तक उनके अधिकार सुनिश्चित नहीं किए जाते, वे बांध स्थल से पीछे हटने वाले नहीं हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना से प्रभावित परिवारों को अब तक न तो उचित मुआवजा मिला है और न ही पुनर्वास की ठोस व्यवस्था की गई है। उनका कहना है कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी समस्याएं उठाने पर "शांति भंग" के नाम पर कार्रवाई करना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। सामाजिक कार्यकर्ता की गिरफ्तारी ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

विरोध के चलते एसडीएम को लौटना पड़ा

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ढोढन ग्राम में उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब ग्रामीणों को हटाने पहुंचे एसडीएम को विरोध के चलते वापस लौटना पड़ा। वहीं अमित भटनागर की गिरफ्तारी को लेकर बिजावर पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन ग्रामीणों की चेतावनी स्पष्ट है कि यदि जल्द ही रिहाई और संवाद की पहल नहीं की गई, तो आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है। फिलहाल पूरे मामले में प्रशासन के अगले कदम पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

बाइक-पिकअप की भिड़ंत, दो की मौत

बम्हनी बंजर थाना क्षेत्र में हादसा, मृतकों की पहचान की कोशिशें जारी

मंडला ● संवाददाता

मंडला जिले के बम्हनी बंजर थाना क्षेत्र में सोमवार रात सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। ग्राम जहरमऊ के मुंडीटोरिया के पास एक पिकअप वाहन और बाइक के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई।

जहरमऊ मंदिर रोड पर हुई इस टक्कर में बाइक सवार एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही बम्हनी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दूसरे गंभीर रूप से घायल युवक को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। बम्हनी पुलिस फिलहाल दोनों मृतकों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने पिकअप चालक और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो को चकनाचूर किया

कार सवार 6 लोग अति गंभीर घायल, रांग साइड से आ रहा था ट्रक, चालक फरार

रीवा ● संवाददाता

रीवा जिले में को एक तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो में सवार 6 लोग अति गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार सभी घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। बताया गया कि बोलेरो सिरमौर रोड की तरफ जा रही थी जबकि ट्रक ने रांग साइड से आकर टक्कर मारी।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो का रजिस्ट्रेशन नंबर UP70 FM 5050 है, जो प्रयागराज निवासी रवि सिंह के नाम पर दर्ज है। बोलेरो का पंजीयन 1 जनवरी 2021 को प्रयागराज से हुआ था। जांच में यह भी सामने आया है कि वाहन के दस्तावेज पूरी तरह वैध हैं—बोलेरो की आरसी और फिटनेस 2035 तक मान्य है। SGMH के सीएमओ डॉ अलख प्रकाश ने बताया कि पुलिस 6 लोगों को लेकर अस्पताल पहुंची थी। तीन घायलों के नाम अर्पित सिंह भदौरिया,बबलू खान और निखिल सिंह हैं,जिनका इलाज जारी है।

वीक प्लान बनाकर बचा हुआ बजट खर्च करें अफसर

मुख्य सचिव ने अफसरों से कहा- हर माह कम से कम एक बार दिल्ली के अफसरों से करें बात

भोपाल ● संवाददाता

मुख्य सचिव ने सभी विभागों के अफसरों से कहा है कि वे अपने विभाग के बचे हुए बजट की राशि को वीकली प्लान बनाकर खर्च करें। अधिकारी उपलब्ध बजट का आकलन करने के बाद यह प्लान तैयार करें और पूरे बजट का उपयोग समय सीमा में करें। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि अधिकारी माह में कम से कम एक बार केंद्र में उनके विभाग से संबंधित ज्वाइंट सेकेट्री बात अवश्य करें। भारत सरकार से संबंधित ऐसी लंबित परियोजनाओं और योजनाओं को उनके संज्ञान में लाएं जिनमें समन्वय की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव जैन ने सभी विभागाध्यक्ष से कहा कि वे उनके विभागों के निगम, मंडल और बोर्ड की समीक्षा करने के साथ ही वित्त आयोग की अनुशंसाओं की समीक्षा भी करें। ये बातें उन्होंने मंत्रालय में सोमवार को बैठक में मध्यप्रदेश विधान सभा के बजट सत्र की तैयारियों, वर्तमान वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों की पूर्ति, सुशासन सहित कैबिनेट के निर्णयों पर अमल की समीक्षा के दौरान कहीं। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने विभाग अध्यक्षों सहित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव से अपेक्षा की है कि वे केंद्रीय बजट के प्रावधानों के अनुरूप परियोजनाएं और योजनाएं तैयार कर भारत सरकार को भेजें। इससे मध्यप्रदेश के प्राथमिकता क्षेत्र को अत्यधिक लाभ मिल सके।

अपूर्ण उत्तर, आश्वासन, लोक लेखा समिति की सिफारिशों पर जल्दी करें फैसला

मुख्य सचिव जैन ने मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी बजट सत्र की तैयारियों की समीक्षा कर निर्देश दिए हैं कि पिछले सत्रों के शून्यकाल सूचनाओं सहित अपूर्ण उत्तर वाले प्रश्न, आश्वासन और लोक लेखा समिति की अनुशंसाओं के लंबित मामले जल्दी पूरे करें। उन्होंने विभागीय परामर्शदात्री समितियों की बैठक करने के साथ ही विधानसभा को विभागीय प्रशासकीय प्रतिवेदन उपलब्ध करवाने के लिए कहा है।

साप्ताहिक प्लान बनाकर खर्च करें राशि

मुख्य सचिव जैन ने कहा कि आर्थिक ग्रोथ में पूंजीगत खर्चों का अहम योगदान होता है। अपर मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी ने बताया कि अन्य वर्षों की तुलना में इस वित्त वर्ष में

पूंजीगत खर्चों में वार्षिक लक्ष्यों की पूर्ति बेहतर है। मुख्य सचिव जैन ने ऐसे विभाग जिनमें अभी भी राशि उपलब्ध है, उनसे कहा है कि इस वित्त वर्ष की शेष अवधि के लिए साप्ताहिक प्लान बनाकर वास्तविक खर्च करें। मुख्य सचिव जैन ने निर्देशित किया कि हाल में आए केंद्र सरकार के बजट के प्रावधानों के अनुरूप मध्यप्रदेश में सिटी इकोनॉमिक रीजन, डेडिकेटेड केमिकल और पेट्रोकेमिकल पार्क और मेगा टेक्सटाइल पार्क सहित अन्य परियोजनाओं के प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के दिशा निर्देशों को भी इसमें शामिल कर जल्दी से जल्दी प्रस्ताव भेजे जाएं। मुख्य सचिव जैन आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के लिए प्रस्ताव भेजने पर आयुष विभाग की सराहना भी की।

अधिकारी महीने में एक बार केंद्र में विभाग से संबंधित ज्वाइंट सेकेट्री बात करें

मुख्य सचिव जैन ने बताया कि नॉलेज और एजुकेशन सिटी, मेडिकल हब, नाइपर, फार्मास्युटिकल रिसर्च सेंटर, स्कूल और कॉलेजों के लैब, सी मार्ट, हॉस्टल, स्किल डेवलपमेंट, पशुपालन और एमएसएमई ग्रोथ फंड जैसे अनेक क्षेत्रों में केंद्र सरकार ने बजट में प्रावधान किए हैं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे यथाशीघ्र प्रस्ताव भारत सरकार को भेजें। मुख्य सचिव जैन ने सलाह दी कि अधिकारी माह में कम से कम एक बार केंद्र में उनके विभाग से संबंधित ज्वाइंट सेकेट्री बात अवश्य करें। मुख्य सचिव जैन निर्देश दिए कि इस वित्त वर्ष की प्रगतिरत सामान्य योजनाओं में लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करें। उन्होंने निर्देश दिए कि भारत सरकार से संबंधित ऐसी लंबित परियोजनाओं और योजनाओं को उनके संज्ञान में लाएं जिनमें समन्वय की आवश्यकता है। मुख्य सचिव जैन भारत सरकार को भेजे जाने वाले पत्रों को शत प्रतिशत आवासीय आयुक्त को भी भेजने के निर्देश दिए।

रजिस्ट्री के बाद और अविवादित नामांतरण समय सीमा में हो

मुख्य सचिव जैन ने कहा कि आमजन की सेवाओं और सुविधाएं राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री के बाद और अविवादित नामांतरण समय सीमा में होना ही चाहिए। मुख्य सचिव जैन लोकसेवा गारंटी अधिनियम में अधिसूचित सेवाओं में नागरिकों के आवेदन समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने साप्ताहिक समीक्षा में इसे सर्वोच्च प्राथमिकता में रखने के लिए कहा है। मुख्य सचिव जैन ने अधिसूचित 735 में से 135 अन्य सेवाओं को भी ऑनलाइन करने और जो सेवाएं अब प्रचलन में नहीं हैं,उन्हें पृथक करने की जरूरत बताई। उन्होंने सी.एम हेल्प लाइन के प्रकरणों के निराकरण में भी सर्वोच्च प्राथमिकता रखने के लिए कहा है।

कार्यालय के सभी कार्य ई- आफिस प्रणाली पर ही हों

मुख्य सचिव जैन ने पीएम प्रगति पोर्टल पर मध्यप्रदेश के बेहतर प्रदर्शन की जानकारी देते हुए अधिकारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने इसी तरह की कार्य प्रणाली सीएम मॉनिटरिंग में अपनाने की अपेक्षा की है। मुख्य सचिव जैन ने अधिकारियों से कहा कि उनके कार्यालय के सभी कार्य ई-आफिस प्रणाली पर ही हों, यह सुनिश्चित किया जाए। भौतिक रूप से फाइलों का संचालन नहीं होना चाहिए। उन्होंने मंत्रि-परिषद की विभिन्न बैठकों में लिए गए निर्णयों के पालन की समीक्षा भी की। मुख्य सचिव जैन गत एक वर्ष में नई नीतियों के लागू होने, क्रियान्वयन की स्थिति और लाभ के आंकलन और अध्ययन के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव जैन ने सभी विभागाध्यक्ष से कहा कि वे उनके विभागों के निगम, मंडल और बोर्ड की समीक्षा करने के साथ ही वित्त आयोग की अनुशंसाओं की समीक्षा भी करें।

बड़ा तालाब किनारे बस्ती-दुकानें हटाने का विरोध

नयागांव-भदभदा बस्ती में 50 मीटर के दायरे में आ रहे; सुनवाई के लिए दिया वक्त

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल के बड़ा तालाब के एफटीएल (फुल टैंक लेवल) से 50 मीटर के दायरे में आ रहे अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू हो गई है। नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल (NGT) के आदेश के बाद सोमवार को जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम नयागांव और भदभदा बस्ती पहुंची। जिसे लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। वहीं, कांग्रेसियों ने भी विरोध जताया। इसके बाद टीम वापस लौट गई।

सोमवार को टीटी नगर अनुभाग और नगर निगम की टीमें भदभदा चौराहा पहुंची। यहां पर बस्ती और नयागांव के एक दर्जन से ज्यादा मकान एवं दुकानें एफटीएल के दायरे में आ रहे हैं। इन्हें हटाने की कार्रवाई जैसे ही शुरू हुई, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी, पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान, शोएब खान समेत कई कांग्रेसी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने प्रशासन की टीम को साल 1930 के दस्तावेज दिखाए और कार्रवाई को रोकने की मांग की।

पड़ा। इस दौरान बस्ती के कई लोग भी एकजुट हो गए थे। पूर्व मंत्री शर्मा ने कहा कि भदभदा बस्ती से पहले 400 लोगों को हटाया गया था, लेकिन कई तो आज तक मकान नहीं मिले। जहां उन्हें शिफ्ट किया गया, वहां पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिली है। इस कारण उन्हें परेशान होना पड़ रहा है। आज भी जिला प्रशासन एवं नगर निगम की टीम कार्रवाई करने पहुंची हैं। एनजीटी ने हटाने जैसा कोई आदेश नहीं दिया है।

सुनवाई के लिए समय दिया विरोध के बाद स्थगित की कार्रवाई

कांग्रेसी और स्थानीय लोगों के विरोध के बाद अमले को कार्रवाई को स्थगित करना पड़ा। इस दौरान बस्ती के कई लोग भी एकजुट हो गए थे। पूर्व मंत्री शर्मा ने कहा कि भदभदा बस्ती से पहले 400 लोगों को हटाया गया था, लेकिन कई तो आज तक मकान नहीं मिले। जहां उन्हें शिफ्ट किया गया, वहां पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिली है। इस कारण उन्हें परेशान होना पड़ रहा है। आज भी जिला प्रशासन एवं नगर निगम की टीम कार्रवाई करने पहुंची हैं। एनजीटी ने हटाने जैसा कोई आदेश नहीं दिया है।

विरोध के बाद एसडीएम अर्चना शर्मा ने सुनवाई के लिए लोगों को समय दिया है। इस दौरान लोग अपने दस्तावेज भी प्रस्तुत कर सकेंगे। इधर, नगर निगम अमले ने सड़क किनारे अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान करीब चार ट्रक सामान भी जब्त किया गया।

गोमांस-पानी के मुद्दे पर प्रदर्शन

कांग्रेस ने किया निगम दफ्तर का घेराव, महापौर सहित एमआईसी सदस्यों का रावण रूपी पुतला फूंका

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल में पिछले एक महीने से सुर्खियों में बने गोमांस और गंदे पानी की सप्लाई के मुद्दे पर सोमवार को बड़ा प्रदर्शन हुआ। कांग्रेस नेता रविंद्र साहू झूमरवाला के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आईएसबीटी स्थित निगम दफ्तर का घेराव किया और महापौर मालती राय और एमआईसी का रावण रूपी पुतला फूंका। इससे पहले पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हुई और जोरदार नारेबाजी की गई। बता दें कि कांग्रेसी महापौर का 11 सिर वाला कटआउट लेकर पहुंचे थे, जिसमें 10 सिर अन्य जिम्मेदारों के हैं।

बता दें कि इंदौर में दूषित पानी पीने से 33 लोगों की जान चली गई। भोपाल में भी ऐसा ही खतरा मंडरा रहा है। कई इलाकों में सीवेज के साथ ही पानी की लाइन है। इससे पानी गंदा आ रहा है। दूसरी ओर, वार्ड ऑफिसों में जल सुनवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति ही हो रही है। नाले के पानी को भी पीने योग्य बताया जा रहा है। पिछले दिनों भास्कर की पड़ताल में वार्ड के कर्मचारी ने नाली के पानी को पीने योग्य बता दिया था। कांग्रेस नेता साहू ने बताया कि कहीं पानी के चैंबर में सीवेज का पानी मिल रहा है तो कहीं गंदा पानी सप्लाई हो रहा है। इससे लोग बीमार भी हो रहे हैं। इसके अलावा स्लॉटर हाउस में गोमांस मिलने का मामला भी गंभीर है। अब तक छोटे कर्मचारियों पर ही कार्रवाई हुई है, लेकिन जिम्मेदार महापौर और एमआईसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। एमआईसी मीटिंग से ही स्लॉटर हाउस का प्रस्ताव पास हुआ था। बता दें कि जहांगीराबाद थाना प्रभारी मान सिंह चौधरी ने 24 दिसंबर 2025 को एक एफआईआर दर्ज की। इसमें 7 दिन पहले, 17 दिसंबर को कंटेनर नंबर यूपी 15 जेटी 4286 में मांस मिलने का हवाला दिया। 18 दिसंबर को वेटनरी अस्पताल जहांगीराबाद में कंटेनर में भरे 265 क्विंटल (26.5 टन) मांस में से वेटनरी डॉक्टर की टीम ने अलग-अलग 5 डिब्बों में सैंपल लिए। बाकी मांस कंटेनर के ड्राइवर शोएब पिता कमालउद्दीन को ही सुपुर्दगी में दे दिया गया।

बैंककर्मी ने 31 महिलाओं की लोन किस्त हड़पी : लाखों रुपए लेकर भागा आरोपी, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की

भोपाल के ईंटखेड़ी इलाके में रहने वाली 31 महिलाओं को एक बैंक के कर्मचारी ने चपत लगा दी। आरोपी सभी महिलाओं से समूह लोन की किस्त लेकर फरार हो गया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी बैंककर्मी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक वसीम कुरैशी प्राइवेट बैंक इस्लाम नगर शाखा में मैनेजर के पद पर पदस्थ हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि समूह लोन की किस्त की वसूली करने के लिए बैंक ने पवन गोस्वामी को नियुक्त किया था।

किस्त की वसूली करता था आरोपी

आरोपी पवन गोस्वामी गांव-गांव घूमकर समूह लोन लेने वाली महिलाओं के घर से किस्त की वसूली करता था। बीते साल उसने करीब 31 महिलाओं के पास से 1 लाख 13 हजार रुपए की वसूली थी। यह रकम उसने बैंक में जमा ना करते हुए खुद रख ली थी।

दूसरे रिकवरी एजेंट पहुंचे तब पता चला

मामले का खुलासा उस समय हुआ जब लोन की रिकवरी के लिए दूसरे बैंककर्मी महिलाओं के घर पहुंचे। इसके बाद आरोपी पवन ने बैंक आना बंद कर दिया। आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने कल आरोपी पवन के खिलाफ मामला दर्ज किया।

भभूत समझकर 12वीं की छात्रा ने जहर खाया

मां ने मंदिर में रखी थी चूहा मार दवाई, इलाज के दौरान बेटी की मौत

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल के ईंटखेड़ी क्षेत्र में रहने वाली 12वीं कक्षा की एक छात्रा ने पूजा के बाद भभूत समझकर चूहा मारने की दवा खा ली। कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे भानपुर स्थित एक प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

घर लौटने के बाद युवती की हालत दोबारा बिगड़ गई, जिसके बाद उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान सोमवार सुबह उसकी मौत हो गई। घटना 26 जनवरी की बताई जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मंदिर में रखी चूहामार दवा को समझा भभूत

एएसआई एस.के. बाजपेयी ने बताया कि मृतक छात्रा की पहचान वैष्णवी सेन (17),

पुत्री मनोज सेन, निवासी लांबाखेड़ा के रूप में हुई है। वह एक निजी स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा थी। 26 जनवरी को घर में बने मंदिर में पूजा के बाद वैष्णवी की मां ने चूहों की समस्या के कारण चूहा मारने की दवा मंदिर में रख दी थी। कुछ समय बाद वैष्णवी ने वहीं पूजा की और भभूत समझकर पाउडरनुमा चूहामार दवा का सेवन कर लिया।

कोचिंग से लौटने पर बिगड़ी हालत

इसके बाद छात्रा कोचिंग चली गई। वहां से लौटने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उल्टियां होने लगीं। पूछने पर छात्रा ने बताया कि उसने मंदिर में रखी भभूत खाई है, तब मां ने बताया कि वह भभूत नहीं बल्कि चूहा मारने की दवा थी। इसके बाद परिजन उसे भानपुर स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

तीन दिन पहले हमीदिया में भर्ती, इलाज के दौरान मौत

कुछ दिनों बाद युवती की तबीयत फिर बिगड़ने लगी, जिसके चलते उसे तीन दिन पहले हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान सोमवार सुबह उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि छात्रा की 10 फरवरी से बोर्ड परीक्षाएं शुरू होने वाली थीं।

'बैरसिया के 13 गांवों में सूखा, नहर से जोड़ें', भोपाल में विधायक के घर पहुंचे ग्रामीण; कहा- कृषि के लिए पानी दें

भोपाल। भोपाल के बैरसिया क्षेत्र के 13 गांवों के लोग सोमवार को विधायक विष्णु खत्री के बंगले पर पहुंचे। उन्होंने विधायक से कहा कि गांवों में सूखे जैसी स्थिति है। इसलिए कालीसिंध, चंबल-पार्वती लिंक योजना में शामिल करके नहर से जोड़ा जाए। गुनगा, मनीखेड़ी, जैतपुरा, करोंदिया, उनिदा, कुटकीपुरा, कलारा, जूना पानी, पीपलखेड़ा, इजगिरी, रोडिया, कादमपुर और दिल्लौद के लोग विधायक खत्री के लालघाटी भोपाल स्थित निवास पर पहुंचे थे। गुनगा के सरपंच महेंद्र लोधी ने बताया, इन गांवों में पानी का स्रोत नहीं है। इस वजह से फसलों की पैदावार नहीं हो पाती। दूसरी ओर, गुनगा से 13 किमी दूर ही प्रोजेक्ट के तहत नहर निकलेगी। जिससे इन गांवों को जोड़ा जा सकता है। इसके बाद किसान गेहूं, चना, सरसो समेत अन्य फसलों और सब्जी की पैदावार कर सकेंगे।

विधायक के घर के सामने ही बैठे

ग्रामीण अपनी मांग को लेकर विधायक खत्री के घर के सामने सड़क पर ही बैठ गए। विधायक ने भी उन्हें आगे कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। सीहोर जिले के गांव शामिल हो चुके ग्रामीणों ने विधायक खत्री को बताया कि पार्वती, कालीसिंध-चंबल लिंक योजना में सीहोर जिले की 110 पंचायतें शामिल हैं। यहां काम हो चुका है। यदि बैरसिया के इन गांवों को भी प्रोजेक्ट में शामिल कर लिया जाएगा तो फसलों का उत्पादन बढ़ जाएगा।

भोपाल में पुस्तक जिहाद, जबरन खरीद के आरोप : शिक्षा मंत्री से लेकर कलेक्टर को भेजे पत्र, हिंदू महासभा ने लव जिहाद की भी जताई आशंका

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल में निजी स्कूलों द्वारा किताबों और यूनिफॉर्म की खरीद को लेकर की जा रही कथित मनमानी एक बार फिर विवाद के केंद्र में आ गई है। अभिभावकों पर तय दुकानों से ही सामग्री खरीदने का दबाव बनाने के आरोपों को लेकर अखिल भारत हिंदू महासभा ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से लेकर भोपाल कलेक्टर को ज्ञापन सौंपें हैं। वहीं, सोमवार को 9 मसाला रेस्टोरेंट में एक प्रेस वार्ता भी की गई। जिसमें संगठन के देवेंद्र तिवारी ने कहा कि यह पुस्तक जिहाद है।

देवेंद्र तिवारी के अनुसार, कई नामी निजी स्कूल शिक्षा को व्यापार बना चुके हैं। जिससे मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। वहीं, इस पूरे विवाद में जिन दुकानों पर आरोप लगे हैं, उनमें से एक गुडलक बुक स्टोर के संचालक ने भी सामने आकर अपना पक्ष रखा है।

लवजिहाद की जताई गई अशंका

देवेंद्र तिवारी ने कहा कि गुड लक बुक स्टोर के मालिक आरिफ खान के यहां काम करने वाले कर्मचारी 90 मुसलमान है। वहां पुस्तक खरीदने वाली ज्यादा तर हिंदू महिलाएं जाती हैं। जिनको एक दो किताब कम दी जाती है और बाद में फोन करके आने को कहा जाता है। जिससे दुकानदार के पास नंबर पहुंच जाता है। संगठन को आसंका है कि आगे चलकर इससे लवजिहाद फैलाया जा सकता है।

विवाद के बाद दुकानदार ने तोड़ी चुप्पी

विवाद के बीच गुडलक बुक स्टोर के

संचालक आरिफ खान ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें जानबूझकर टार्गेट किया जा रहा है और उनका किसी भी स्कूल से कोई टाई-अप नहीं है। आरिफ खान के अनुसार स्कूल अपनी किताबों की सूची नोटिस बोर्ड पर लगाते हैं और उसी के आधार पर वे एजेंसियों से किताबें मंगवाते हैं। अभिभावक अपनी सुविधा से दुकान पर आते हैं, इसमें किसी तरह की जबरदस्ती नहीं होती।

अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित दुबे द्वारा 10 जनवरी 2026 को शिक्षा मंत्री को भेजे गए पत्र में कहा था कि भोपाल के कई निजी स्कूल अभिभावकों को तय दुकानों से ही किताबें, यूनिफॉर्म, जूते और अन्य सामग्री खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं। यदि कोई अभिभावक बाहर से सामान खरीदने की कोशिश करता है तो बच्चे को स्कूल में प्रताड़ित किया जाता है या उसे मानसिक दबाव में रखा जाता है। इसी बात को सोमवार को प्रेस वार्ता के दौरान फिर दोहराया गया।

नियमों के खिलाफ सालों से चल रही व्यवस्था

संगठन का आरोप है कि यह व्यवस्था वर्षों से चल रही है, जबकि शिक्षा विभाग के नियमों के अनुसार कोई भी स्कूल अभिभावकों को एक ही दुकान से किताब या यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। इसके बावजूद स्कूलों से जुड़े दुकानदारों को फायदा पहुंचाने के लिए अभिभावकों पर दबाव बनाया जा रहा है और बाजार से कहीं अधिक दाम वसूले जा रहे हैं।

संपादकीय

डूबने के लिए चुल्लू भर पानी नहीं मिल रहा

बाजार में लुटेरे व्यापारियों ने हल्ला किया कि प्याज की कीमत सौ रुपए किलो हो गई है। जबकि प्याज की वास्तविक कीमत पच्चीस रुपए किलो थी। ग्राहक परेशान। वे सरकार के पास पहुंचे। हल्ला गुल्ला किया। सरकार ने आश्वासन दिया कि लुटेरे व्यापारियों पर कार्रवाई की जायेगी। सरकार ने रात के अंधेरे में लुटेरे व्यापारियों से समझौता किया। दोनों में लेन देन हुई। प्याज की कीमत पचास रुपए किलो कर दी गई। सरकार ने अपनी पीठ थपथपाई। ग्राहक के सामने अपनी अकड़ दिखाई और कहा कि देखे, मैंने लुटेरे व्यापारियों को सीधा कर दिया। ग्राहक सब-कुछ समझ रहा है, लेकिन मसोसकर रह जाता है। पच्चीस रुपए का प्याज पचास रुपए में मिल रहा है। उसकी जेब पतली हो रही है, लेकिन समझ में नहीं आ रहा कि वह क्या करे? सरकार और अमेरिका की डील कुछ ऐसी ही है। पहले ट्रंप भारत को धमकाता है कि कच्चा तेल हमसे खरीदो, वरना तुम्हारे सामान पर पच्चीस प्रतिशत टैरिफ लगायेंगे और नहीं माने तो तुम्हें दंडित करेंगे और टैरिफ पचास प्रतिशत करेंगे। एक अरब चालीस करोड़ का प्रधानमंत्री चुप, वाणिज्य मंत्री चुप और विदेश मंत्री मुंह चुराते रहे। छप्पन इंच का कलेजा कबूतर का हो गया। उस पर खासमखास मित्र और उनके फिनांसर अडानी पर केस और ऊपर से एपस्टीन फाइल। अचानक एक दिन अमेरिका ने खबर दी कि भारत से डील हो गई। अब हमारे सामान पर भारतीय बाजार में बिना टैरिफ के पहुंचेगा और भारत के सामान पर अट्ठारह प्रतिशत टैरिफ लगेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ गये चुनावी मंच पर और गरजने लगे - झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। पूर्व के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने महज 2.93 प्रतिशत टैरिफ पर जो डील किया था, वह अट्ठारह प्रतिशत हो गया। गजब , बेशर्म है सरकार और बेशर्म हैं उनके समर्थक।

पंगुपना खानदानी होता है। अंग्रेजों से माफी मांगते मांगते, अब बदतमीज ट्रंप के सामने गिड़गिड़ा रहे हैं। इस डील से सर्वाधिक हानि किसानों को होगी। अमेरिका अपने किसानों को अभूतपूर्व सब्सिडी देता है और भारतीय किसानों की हालत किसी से छुपी नहीं है।अब भारतीय बाजार में अमेरिका के ताजे फल, प्रोसेस्ड फूड, बादाम, अखरोट, सोया आयल धड़ल्ले से बिकेगा। भारत के वाणिज्य मंत्री की हालत देखिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा, तब उनका जवाब था कि विदेश मंत्री जवाब देंगे। जब यही सवाल विदेश मंत्री जयशंकर से पूछा गया, तो उनका जवाब था कि इस प्रश्न का उत्तर वाणिज्य मंत्री देंगे। ये लोग देश चला रहे हैं! अमेरिका छाती ठोक कर कह रहा है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। भारत की नीतियों की घोषणा अमेरिका कर रहा है। क्या भारत अमेरिका का बंधक नहीं हो गया है? एक स्वाभिमानी देश या समाज या व्यक्ति जान दे देगा, लेकिन स्वाभिमान नहीं बेचेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को अमेरिका के हाथों बेच दिया है। पाकिस्तान - भारत के बीच हुए युद्ध को बंद करवाने से लेकर रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदने की घोषणा ट्रंप कर रहा है। मजा यह है कि जो डील राष्ट्रीय शर्म का विषय है, उसे राष्ट्रीय गौरव की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। दरअसल आज भारत की अपनी कोई विदेश नीति नीति नहीं है। घर में कोसने के लिए नेहरू हैं, गलियाने के लिए कांग्रेस है और राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए हिन्दू - मुसलमान है। घर से बाहर मौज मस्ती है, गिड़गिड़ाना है। भारत सरकार की इतनी लुंज-पुंज हालत देश को शर्मसार कर रही है। मनमोहन सिंह की छाती तो छप्पन इंच की नहीं थी, लेकिन उनकी छाती में स्वाभिमान और देशभक्ति की भावनाएं बहती थीं। यहां तो सुनार की भाथी की तरह कलेजा है, भांय - भांय करता है।

उप्र में बेमौसम राजनीतिक... भगवा बनाम भगवा और संत बनाम संत का कैसे होगा अंत

लेखक - ऋतुपर्ण दवे

एक धार्मिक मामला हो। लेकिन वास्तव में सियासी ज्यादा रहा। नए वर्ष की शुरुआत में ही उत्तरप्रदेश में श्भगवा बनाम भगवाश् का मुद्दा जबरदस्त राजनीतिक और धार्मिक विमर्श का अहम मुद्दा रहा। लेकिन इसका यह आशय नहीं कि अब सब कुछ ठीक हो गया है। प्रशासन के नहीं जाने देने से उत्पन्न विवाद इतना बड़ा तूल पकड़ेगाए इसका जनमानस को जरूर अंदाजा नहीं रहा। हाँए सियासतदारों को जरूर बैठेए बिठाए बड़ा मौका मिल गया।

यह सच है कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता ज्यादातर उत्तरप्रदेश से ही होकर निकलता है। यह भी सच है कि भले ही देश में नरेन्द्र मोदी को लेकर कोई विकल्प न हो लेकिन उनके उत्तराधिकारी के रूप में अघोषित रूप से योगी आदित्यनाथ का नाम सबसे पहले आता है। वहीं अक्सर सियासत में कहे.अनकहे ऐसे दांव. पेंच चले जाते हैं या हो जाते हैं जिससे आसान राहें भी मुश्किलें बढ़ाती नजर आने लगती हैं। फिलाहाल उत्तरप्रदेश में चुनावी सरगर्मी तो नहीं है लेकिन राजनीतिक सरगर्मी ने पहले पौष की कड़कड़ती ठण्ड और अब माघ की जाती ठण्ड में भी जबरदस्त और इतनी कि लू सरीखे सियासी तपन का अहसास जरूर करा दिया।

दरअसलए उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ के प्रमुख स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का 28 जनवरी को माघ मेला में स्नान किए बिना लौटना भले ही एक धार्मिक मामला हो। लेकिन वास्तव में सियासी ज्यादा रहा। नए वर्ष की शुरुआत में ही उत्तरप्रदेश में श्भगवा बनाम भगवाश् का मुद्दा जबरदस्त राजनीतिक और धार्मिक विमर्श का अहम मुद्दा रहा। लेकिन इसका यह आशय नहीं कि अब सब कुछ ठीक हो गया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के स्नान और पालकी सहित जाने की जिद और प्रशासन के नहीं जाने देने से उत्पन्न विवाद इतना बड़ा तूल पकड़ेगाए इसका जनमानस को जरूर अंदाजा नहीं रहा। हाँए सियासतदारों को जरूर बैठेए बिठाए बड़ा मौका मिल गया।

वास्तव में अविमुक्तेश्वरानंद अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। वो किसी को भी नहीं छोड़ते ऐसी स्थिति में उनसे इस टकराहट को असाधारण माना जा रहा है। यदि वास्तव में प्रयागराज मेला प्रशासन चाहता तो इसे टाल सकता था लेकिन कहते हैं न कि राजनीति में लिए गए छोटे से छोटे फैसलों के दूरगामी परिणाम मतलब भरे होते हैं। हुआ भी वही। अब लोग भले ही यह कहें कि सरकार ने गलत किया या स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने। लेकिन सच तो यह है कि इसे प्रशासन की चूक या भूल भी कहना बेमानी होगा। एक ओर रूठे हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठ गए तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी ने शंकराचार्य विवाद के दौरान ही सीधे नाम न लेकरए सनातन धर्म की आड़ में राष्ट्रविरोधी या सनातन विरोधी एजेंडा चलाने वालों को श्कालनेमिश् कह दिया। जाहिर है इशारा अविमुक्तेश्वरानंद पर था। बाद में प्रयागराज में जो घटाए उसे देश ने देखा। बात असली और नकली शंकराचार्य तक जा पहुंची तो भला अविमुक्तेश्वरानंद कैसे चुप रहतेघ् उन्होंने भी सीधे.सीधे आदित्यनाथ से टकराने की रणनीति अपना ली। इस बीच प्रशासन ने शंकराचार्य को नोटिस पकड़ा दिया कि 18 जनवरी को त्रिवेणी संगम में जबरदस्ती घुसने के प्रयास से भगदड़ मच सकती थी। इतना ही नहीं यह तक पूछ लिया कि क्यों न उन्हें भविष्य के मेलों में भाग लेने से रोक दिया जाएघ् तल्खी और तब बढ़ी जब अगले नोटिस में मेला अधिकारियों ने 2022 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए शंकराचार्य की उपाधि पर ही सवाल उठाए विवाद को गहरा दिया। ऐसा देश ने पहली बार देखा।

शह.मात के इस खेल में स्वामी अविमुक्तेश्वरनद ने अपने जवाब में उल्टा पूछ लिया कि ष्ना प्रशासनए ना

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्रीए और ना ही देश के राष्ट्रपति तय करेंगे कि कौन शंकराचार्य होघ् हालांकि शंकराचार्य पर आरोप लगे कि वो कांग्रेसी विचारधारा के हैं। लेकिन उन्होंने राहुल गांधी को भी नहीं छोड़ा। मामले ने तब और तूल पकड़ा जब समाजवादी पार्टी ने उनका समर्थन किया और कई बड़े नेताओं ने मुलाकात की। निश्चित रूप से वक्त के साथ शंकराचार्य विवाद राजनीतिक रूप ले चुका था। जिसमें कई मोड़ आए। एक ओर जहां पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने भी विश्वास व्यक्त किया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज और उत्तरप्रदेश सरकार के बीच कोई सकारात्मक समाधान निकलेगा वहीं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उनसे स्नान करने की अपील की और कहा कि मैं ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के चरणों में प्रणाम करता हूंए उनसे प्रार्थना है कि वह स्नान कर इस विषय का समापन करें। लेकिन यह हो न सका।

बस यहीं से जो मामला भगवा बनाम भगवा था उसे पार्टी लाइन की ओर भी समझा जाने लगा। उत्तरप्रदेश में भाजपा की गुटबाजी जगजाहिर है। यह तब और समझ में आई जब बीते महीने 30 जनवरी को महोबा विधायक में भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत और योगी कैबिनेट के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह आपस में तकरार हो गई। मंत्री एक कार्यक्रम से लौट रहे थे कि दोपहर करीब साढ़े तीन बजे विधायक ने 100 ग्राम प्रधानों के साथ मिलकर उनका रास्ता रोक लिया और 100 गांवों में पानी न पहुंचने और पाइपलाइन के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत न होने पर नाराजगी जताई। इसी तरह केशव प्रसाद मौर्य का बयान आना कोई सामान्य घटना नहीं है। बहरहाल इस पर भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रया नहीं आई लेकिन मौर्य का निवेदन हाईकमान का रुख माना जा रहा है तो जिला प्रशासन का ऐक्शन योगी सरकार का कदम। यकीनन ऐसी घटनाओं के पीछे बड़ी सियासत होगी जो आम लोगों की समझ से बाहर है। वैसे सबको पता है कि कैसी कवायद से योगी पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। उसके बाद उनकी कार्यप्रणाली से उनका कद लगातार बड़ा होता चला गया।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने 28 जनवरी को दुखी मन से वाराणसी से विदा ली और बिना स्नान लौट गए। घटना को अकल्पनीय बताया। हालांकि संतों में भी दो परस्पर विरोधी गुट बन गए। वही अविमुक्तेश्वरानंद भी कमर कस के तैयार हैं। उन्होंने उत्तरप्रदेश में गाय को राजमाता का दर्जा दिलाने और गौ हत्या रोकने के लिए 40 दिनों की मोहलत दी जिस पर संत परमहंसाचार्य ने इसे राजनीति से प्रेरित बता कहा कि केवल गाय नहीं पूरा गौवंश ;बैलए बछड़ाए नंदीद्ध को राष्ट्रीय धरोहर घोषित हो तभी पूर्ण गौ.रक्षा संभव है।

बहरहाल योगी आदित्यनाथ और शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की इस जुबानी जंग को लोग ऊंचे दर्जे की राजनीति से भी जोड़कर देख रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में कुछ इसे केन्द्र और राज्य के बीच का मसला समझते हैं तो कुछ इसे योगी आदित्यनाथ के बढ़ते कद से जोड़कर देख रहे हैं। बहरहाल ऐसी घटनाओं से अपने आप ही समझ आता है कि माजरा क्या हैघ् अब देखना है कि अगले वर्ष उत्तरप्रदेश में चुनाव हैं ऐसे में भगवा बनाम भगवा और संत बनाम संत की इस लड़ाई में किसेए कितना नफा.नुकसान होता है क्योंकि इतने बड़े मसले पर भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व या पार्टी की चुप्पी भी बड़ा इशारा जरूर करती है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

लोकतंत्र के सर्वोच्च आसन पर उठते सवाल

लेखक - सनत जैन

संसदीय लोकतंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है। पिछले कई सत्रों से लोकसभा में विपक्ष आरोप लगाता रहा है, उन्हें सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा।

लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। यह वह आसन है, जो सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखने का संवैधानिक प्रावधान एवं जिम्मेदारी का प्रतीक है। संविधान में परिभाषित है। लोकसभा का अध्यक्ष और राज्य सभा का सभापति पार्टीगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन का संचालन करेगा। दोनों ही सदन में सभी सदस्यों के हितों के संरक्षण की जिम्मेदारी अध्यक्ष और सभापति की होती है। हालिया घटनाक्रम ने इसी धारणा को कटघरे में खड़ा कर दिया है। विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी करना कोई साधारण राजनीतिक घटना नहीं है। संसदीय लोकतंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है। पिछले कई सत्रों से लोकसभा में विपक्ष आरोप लगाता रहा है, उन्हें सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा। बोलने के पहले तरह-तरह से उन्हें रोका जा रहा है। सदन के अंदर सदस्यों को बोलने की जो स्वतंत्रता थी, उसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बाधित किया जा रहा है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जैसे संवैधानिक और परंपरागत अवसर पर भी विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न मिलना वहीं सत्ता पक्ष के एक सदस्य को बोलने का अवसर दिया गया। इसने असंतोष को आर और पार की लड़ाई में लाकर खड़ा कर दिया है। विपक्ष का कहना है कि सत्ता पक्ष को खुली छूट दी जाती है। जबकि विपक्ष को सवालों ओर नियमों का हवाला देकर बोलने नहीं दिया जाता है। विपक्ष यह कहने से नहीं चूक रहा है, कि आसंदी द्वारा सत्ता पक्ष के लिए अलग, विपक्ष के साथ अलग व्यवहार किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष का यह तर्क कि "सदन नियम और परंपरा से चलेगा" अपने आप में सही है, लेकिन सवाल यह है, कि क्या ये नियम सबके लिए समान रूप से लागू हो रहे हैं? पिछले 10 वर्षों में विपक्ष द्वारा जब भी कोई स्थगन प्रस्ताव अध्यक्ष को दिया गया, किसी को मंजूरी नहीं दी गई। जबकि परंपराएं और लोकसभा की कार्यवाही में ऐसे दर्जनों उदाहरण हैं जहां पर विपक्ष को स्थगन

प्रस्ताव में बोलने का अवसर दिया गया। जब सत्ता पक्ष कांग्रेस को "गद्दार" कहता है, तब वह सदन की मर्यादा है? और जब विपक्ष उसका जवाब देना चाहता है, तब उसे "आउट ऑफ प्रोसीडिंग" बताकर रोक दिया जाता है। तो यह किस तरह की निष्पक्षता है? विपक्ष का आरोप है कि अध्यक्ष का व्यवहार निष्पक्ष एवं मध्यस्थता वाला नहीं है। ऐसा स्पष्ट रूप से दिख रहा है। आसंदी का व्यवहार सत्ता पक्ष के रक्षक का है। पिछले वर्षों में जिस तरह से बिल और कानूनों को बिना किसी चर्चा के हो हल्ले में पास कर दिया गया। यही कारण है कि विपक्ष ने अब अविश्वास प्रस्ताव जैसा असाधारण कदम उठाने का मन बनाया है। पिछले 76 सालों में लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव तीन बार लाया गया है। चौथी बार ऐसी स्थिति बनना अपने आप में असाधारण और चिंताजनक है। संविधान के अनुसार, अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ लिखित नोटिस आवश्यक होता है। यह प्रस्ताव तभी लाया जाता है जब विपक्ष यह मान ले कि अध्यक्ष सदन की निष्पक्षता बनाए रखने में असफल हैं। विपक्ष इस मुद्दे पर एकमत हैं। महिला सांसदों ने भी लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी नाराजी जताई है। जो यह दर्शाता है, असंतोष केवल एक दल अथवा एक वर्ग तक सीमित नहीं है। इस पूरे विवाद का सबसे गंभीर पहलू यह है, पिछले कई वर्षों में सदन के सत्र छोटे होते जा रहे हैं। संसद की कार्यवाही बार-बार ठप्प होना अब सामान्य हो गया है। इसका लाभ उठा कर सत्ता पक्ष बिल पास कर लेती है। बजट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बजाय बार-बार कार्यवाही स्थगित होना, अध्यक्ष द्वारा सत्ता पक्ष और विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया जाता है। जबकि नियमों के अनुसार विपक्ष की आवाज को अध्यक्ष का संरक्षण मिलना चाहिए। आसंदी की इस कार्रवाई से लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करता है। इतिहास गवाह है, जब-जब अध्यक्ष ने निष्पक्षता दिखाई, तब-तब विपक्ष ने भी मर्यादा का पालन किया है। जब कुर्सी की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं, तब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में टकराव बढ़ता है। वर्तमान में स्थिति यहां तक पहुंच गई है, अध्यक्ष का आसन राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। वर्तमान स्थिति केवल ओम बिरला या लोकसभा अध्यक्ष के पद या बजट सत्र की नहीं है, यह उस संविधान एवं लोकतांत्रिक परंपरा की परीक्षा है जिसे भारत के संसदीय लोकतंत्र ने कई दशकों में गढ़ा गया है। यदि अध्यक्ष की निष्पक्षता पर विश्वास उठता है, तो केवल विपक्ष नहीं, पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं संविधान भी कमजोर होता है। आवश्यकता इस बात की है, लोकसभा अध्यक्ष अपने पद की गरिमा को पुनः स्थापित करें। सत्ता और विपक्ष, दोनों के लिए समान नियम और समान अवसर सुनिश्चित करें। विपक्ष के पास बहुमत नहीं होता है इसलिए उसे संरक्षण की जरूरत होती है। सत्ता पक्ष की दादागिरी से अध्यक्ष ही विपक्ष को संरक्षण दे सकता है। लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं, बल्कि संवाद और विश्वास के सहारे चलता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर आवाम की आवाज को सदन में लेकर आते हैं। सत्ता पक्ष से ज्यादा वोट विपक्ष के पास होते हैं। विपक्ष बटा हुआ होता है, इसलिए सत्ता पक्ष राज करता है। सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोकसभा अध्यक्ष को इस बात को ध्यान में रखना जरूरी है। लोकसभा के अध्यक्ष भले बहुमत से चुने जाते हों, लेकिन अध्यक्ष चुने जाने के बाद सभी सदस्यों के अध्यक्ष होते हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अरिजीत सिंह के निर्णय को सम्मान देना चाहिए : लकी अली

बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट की घोषणा को लेकर श्रेया घोषाल, चिन्मयी और शिल्पा राव के बाद अब मशहूर सिंगर-कंपोजर लकी अली ने भी अपनी बात रखी है। उन्होंने अरिजीत के फैसले को एक बेहद व्यक्तिगत और गहराई से जुड़ा कदम बताया और कहा कि इसे जज नहीं, सम्मान देना चाहिए।

लकी अली ने एक इंटरव्यू में कहा कि किसी कलाकार का ऐसा निर्णय हमेशा किसी गहरे भावनात्मक अनुभव या टूटन से उपजता है। उन्होंने कहा, यह समझने के लिए कि एक म्यूजिशियन क्या महसूस कर रहा है, आपको उसकी जगह खुद को रखना होगा। अगर अरिजीत ने यह कदम उठाया है, तो निश्चित ही उसके भीतर कुछ टूटा होगा। जब मैंने उनका स्टैंड देखा, तो मैं उससे पूरी तरह सहमत था। यह कोई नुकसान नहीं है। वह गाना जारी रखेंगे, लेकिन पहले जैसी परिस्थितियों में नहीं। लकी अली ने संगीत करियर की वास्तविकताओं पर भी बात की।

उन्होंने कहा कि म्यूजिक इंडस्ट्री में कोई चीज आसानी से नहीं मिलती। आपको कुछ भी थाली में परोसकर नहीं दिया जाता। आपको अपना काम ईमानदारी से, पूरी क्षमता के साथ करना होता है। जब आप अपनी राह खुद बनाना सीख जाते हैं, तो आगे बढऩे का आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन सफर कभी आसान नहीं होता। इस दौरान उन्होंने अरिजीत की घोषणा का संदर्भ भी दोहराया। अरिजीत सिंह ने कुछ दिन पहले अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था कि वे अब प्लेबैक सिंगर के तौर पर कोई नया असाइनमेंट नहीं लेंगे। उन्होंने इसे एक शानदार सफर बताते हुए श्रोताओं का आभार व्यक्त किया था। यह खबर सामने आते ही उनके प्रशंसकों में निराशा और भावुक प्रतिक्रिया देखने को मिली।

लकी अली के बारे में बात करें तो वे भारतीय पॉप और सूफी संगीत की दुनिया के एक प्रतिष्ठित नाम हैं। कॉमेडी के दिग्गज महमूद के बेटे लकी अली ने 90 के दशक में 'ओ सनम जैसे सदाबहार गाने देकर इंडी-पॉप को नए मुकाम पर पहुंचाया। 'सफरनामा, 'एक पल का जीना, 'ना तुम जानो ना हम और 'कभी ऐसा लगता है जैसे गानों से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। सिंगिंग के साथ-साथ वे अभिनय में भी हाथ आजमा चुके हैं। बता दें कि अरिजीत के रिटायरमेंट की घोषणा ने फैंस के साथ-साथ संगीत जगत को भी झटका दिया है। उनके फैसले पर लगातार सेलिब्रिटीज अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

अहान संगीत से करते हैं शूटिंग से पहले की घबराहट पर काबू

महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग से पहले अपनी नर्वसनेस पर काबू पाने को लेकर बॉलीवुड के नवोदित एक्टर अहान शेट्टी ने बताया कि उनके लिए सबसे बड़ा सहारा म्यूजिक है, जो उन्हें मानसिक रूप से तैयार होने में मदद करता है। एक्टर ने बताया कि किसी भी सीन से पहले वे नॉइज कैंसिलिंग हेडफोन लगाकर अपनी वैन या अकेले टेंट में बैठ जाते हैं और संगीत सुनते हैं। उन्होंने कहा कि वे हर सीन के मूड के अनुसार अलग-अलग जॉनर का म्यूजिक चुनते हैं ताकि वह उस भाव से पूरी तरह जुड़ सकें। म्यूजिक की यह प्रक्रिया उन्हें बाहरी हलचल और प्रेशर से अलग कर देती है और वे पूरी तरह सीन पर फोकस कर पाते हैं। अहान के अनुसार, घबराहट पूरी तरह खत्म तो नहीं होती, लेकिन संगीत के जरिए वह उसे मैनेज कर लेते हैं। 'बॉर्डर 2 में अहान ने एक नेवी ऑफिसर की भूमिका निभाई है, जिसके लिए उन्हें पानी के अंदर फिल्माए गए कई दृश्यों की तैयारी करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि कोविड काल के दौरान 2020 में उन्होंने पैडी (पीएडीआई) लाइसेंस हासिल किया था, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्कूबा डाइविंग सर्टिफिकेशन है। इसके लिए थ्योरी, पूल ट्रेनिंग और ओपन-वॉटर डाइव जैसी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। अहान ने बताया कि बचपन में वे स्कूल की स्विमिंग टीम का हिस्सा थे, जिससे पानी में रहना उनके लिए काफी आरामदायक रहा। जब डायरेक्टर अनुराग सिंह ने कहानी के साथ पानी के सीक्वेंस बताए, तो वे और भी उत्साहित हो गए। टीम ने शूटिंग से दो महीने पहले ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। अहान ने बताया कि जहां कई लोगों को पानी में घबराहट होती थी, वहीं उन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई। सेट पर मौजूद डाइव और सेफ्टी टीम ने भी उन्हें पूरा सपोर्ट दिया। उनके अनुसार, स्क्रीन पर पानी के नीचे के दृश्य बेहद प्रभावी दिख रहे हैं और हर सीन को लेकर वे उत्साहित रहे। 'बॉर्डर 2 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की बसंतर की लड़ाई पर आधारित है, जो एक निर्णायक जंग थी। भारतीय सैनिकों ने इस युद्ध में असाधारण बहादुरी दिखाते हुए पंजाब-जम्मू सेक्टर की रक्षा की थी।

इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती : जोया अफरोज

हाल ही में अभिनेत्री जोया आफरोज ने फिल्म गांधी टॉक्स की स्क्रीनिंग में शिरकत की थी। इस साइलेंट फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान ने दिया है। स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती है।

इस बातचीत में उन्होंने ए. आर. रहमान के कम्युनल वाले बयान को सिरे से नकारते हुए कहा कि उनके धर्म के होने के बावजूद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में अब तक धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव झेलना नहीं पड़ा। जोया ने कहा, मेरा पर्सनल अनुभव अब तक ऐसा नहीं रहा है, और मुझे उम्मीद है कि आगे भी ऐसा नहीं होगा। हमारे देश में हम एकता और विविधता का जश्न मनाते हैं। मुझे लगता है कि हमें यही भावना हमेशा बनाए रखनी चाहिए। जोया ने आगे फिल्मों की सामाजिक जिम्मेदारी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है। अगर कोई फिल्म बच्चों के लिए नहीं है, तो उन्हें नहीं दिखानी चाहिए। इसीलिए सर्टिफिकेशन सिस्टम है। मुझे लगता है कि इसे ऐसे ही रखना चाहिए। गांधी टॉक्स की बात करें तो यह फिल्म गांधी जी की तस्वीर को नोटों पर देखने और उनके आदर्शों के बीच के फर्क की कहानी को दिखाती है। इसकी कहानी एक ऐसे युवा व्यक्ति के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसों के लिए संघर्ष करता है। उसकी जिंदगी में एक चोर की एंट्री होती है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। फिल्म व्यंग्य के जरिए समाज और मूल्यों पर सवाल उठाती है। किशोर बेलेकर द्वारा निर्देशित फिल्म में अदिति राव हैदरी, विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। बता दें कि अभिनेत्री जोया आफरोज इन दिनों वेब सीरीज तस्करी को लेकर जमकर सुर्खियां बटोर रही हैं।

संदीपा की भाव-भंगिमाएं संकेत देती हैं कि उनका किरदार कहानी में भावनात्मक गहराई रखता है

कुछ ही पलों में संदीपा की भाव-भंगिमाएं यह संकेत देती हैं कि उनका किरदार कहानी में भावनात्मक गहराई रखता है, जो धीरे-धीरे सामने आएगा। संजय लीला भंसाली जैसे प्रतिष्ठित फिल्ममेकर के प्रोडक्शन का हिस्सा बनना संदीपा धर के करियर का एक अहम पड़ाव है। हालांकि अपने अब तक के सफऱ में वह ऐसे किरदार चुनती रही हैं, जो उन्हें एक कलाकार के रूप में आगे बढऩे का मौका देते हैं। इसी कड़ी में दो दीवाने सहर में से उनका जुड़ाव कंटेंट-ड्रिवन और लेयर्ड सिनेमा की ओर उनके सोच-समझकर किए गए कदम को दर्शाता है। हालांकि उनके किरदार से जुड़ी जानकारी फिलहाल गोपनीय रखी गई है, लेकिन ट्रेलर यह जरूर संकेत देता है कि इस फिल्म में संदीपा को एक फ्रेश, कॉन्फिडेंट और खूबसूरत अंदाज़ में देखा जाएगा। उनकी सधी हुई मौजूदगी यह भरोसा दिलाती है कि पर्दे पर उनका असर धीरे-धीरे खुलकर सामने आएगा।

'दुश्मन देवता में लगातार डांस करते हुए पैरों पड गए थे छाले : सोनम खान

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम खान ने 1991 में रिलीज हुई फिल्म 'दुश्मन देवता के लोकप्रिय गीत 'उरी उरी बाबा से जुड़ा एक थोड़ा दर्द भरा अनुभव साझा किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर इस गाने का वीडियो पोस्ट करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान गर्म मौसम और कठिन परिस्थितियों ने उन्हें कैसी परेशानी दी थी।

सोनम ने बताया कि गाने की शूटिंग बेहद गर्मी के बीच हुई थी और उन्हें पूरे सीक्वेंस में नंगे पैर डांस करना पड़ा। लगातार गर्म सतह पर डांस करने की वजह से उनके पैरों में दर्दनाक छाले पड़ गए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने शूटिंग पूरी की। उन्होंने पोस्ट में मजाकिया अंदाज में लिखा, हां, ये मैं ही हूंज् उरी उरी बाबा। इस गाने की शूटिंग के दौरान बहुत गर्मी थी। मुझे नंगे पैर डांस करना पड़ा और पैरों में छाले पड़ गए थे। उनके इस खुलासे को देखकर फैंस ने कमेंट सेक्शन में प्यार और प्रशंसा की बरसात कर दी। 'दुश्मन देवता के इस गाने को ऊषा उथुप ने अपनी दमदार आवाज दी थी, जबकि इसके बोल अंजान ने लिखे थे और संगीत बप्पी लहरी ने तैयार किया था। फिल्म का निर्देशन अनिल गांगुली ने किया था जिसमें धर्मेंद्र, डिंपल कपाडिया, आदित्य पंचोली और सोनम प्रमुख भूमिकाओं में थे। कहानी एक ऐसे गांव के इर्द-गिर्द घूमती है जो डाकुओं और जंगली जानवरों के आतंक से परेशान है। इसी गांव में धर्मेंद्र द्वारा निभाया गया किरदार एक रहस्यमयी उद्देश्य के साथ पहुंचता है और गांव वाले उसे देवता समान मानने लगते हैं। हालांकि कहानी और कलाकारों के बावजूद 'दुश्मन देवता बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर पाई और फिल्म के निर्माता को भारी नुकसान झेलना पड़ा।

सोनम खान के करियर की बात करें तो उन्होंने तेलुगु फिल्म से 1987 में शुरुआत की थी, लेकिन हिंदी सिनेमा में उन्हें असली पहचान फिल्म 'त्रिदेव के लोकप्रिय गीत 'तिरछी टोपी वाले से मिली। अपनी लोकप्रियता के बावजूद उन्होंने फिल्मों से जल्द दूरी बना ली, लेकिन आज भी उनके काम और किस्से दर्शकों को आकर्षित करते रहते हैं। मालूम हो कि सोनम खान अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फिल्मों और पुराने अनुभवों से जुड़े दिलचस्प किस्से साझा करती रहती हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी ने पीसीबी की शर्तों को मानने से इंकार किया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की उन शर्तों को खारिज कर दिया है जो उसने भारत के साथ मैच खेलने के लिए रखीं थीं। इससे अब 15 फरवरी को भारत और पाक के बीच मैच होने की संभावनाएं कम हो गयी हैं। आईसीसी ने पीसीबी की मांगों को मानने से साफ मना कर दिया। पीसीबी ने आईसीसी के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज़ को फिर से शुरु करने की ठोस गारंटी। दूसरी आईसीसी की कुल कमाई में पाकिस्तान के हिस्से को बढ़ाने की मांग। तीसरी और अहम मांग यह थी कि भविष्य में हाथ न मिलाने जैसे घटनाक्रम दोबारा न हों और इसके लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल तय किया जाए। इसके अलावा पीसीबी ने बांग्लादेश के लिए मुआवज़ा और भविष्य के आईसीसी इवेंट्स की मेज़बानी से जुड़े मुद्दे भी उठाए।आईसीसी ने इन मांगों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। हालांकि परिषद ने यह आश्वासन ज़रुर दिया कि बांग्लादेश को आईसीसी राजस्व में उसका पूरा हिस्सा मिलेगा।

तिलक हालात के अनुसार खेलने वाले बल्लेबाज : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में तिलक वर्मा की बल्लेबाजी की सराहना की है। गावस्कर ने कहा कि तिलक एक समझदार क्रिकेटर हैं जो हालात के अनुसार खेलना जानते हैं। उन्हें पता है कि दबाव के बीच किस प्रकार से संयमित पारी खेली जाती है। गावस्कर को उम्मीद है कि 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच में भी वह इसी प्रकार खेलेंगे। गावस्कर ने दबाव में परिपक्वता दिखाने के लिए तिलक की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, तिलक एक बहुत ही होशियार क्रिकेटर हैं। वह न सिर्फ अपनी बल्लेबाजी कौशल या अलग-अलग प्रकार के शॉट्स के लिए जाने जाते हैं बल्कि इसलिए भी कि कब, कैसे खेलना है। वह दूसरे ओवर में कठिन हालातों में बल्लेबाजी करने आए, जब टीम के मुख्य आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आउट हो गए थे। उस समय, तिलक जानते थे कि उन्हें जवाबी हमला करने की जरुरत है पर बिना बड़ा जोखिम उठाए। गावस्कर ने कहा, वह बहुत ज्यादा आक्रामक नहीं हो रहे थे, बल्कि सोच-समझकर खेल रहे थे। उन्होंने मिड-ऑन के ऊपर से एक चिप शॉट खेला क्योंकि उन्हें पता था कि फील्डर सर्कल के अंदर है। वह छक्का मारने की कोशिश नहीं कर रहे थे, सिर्फ चौका।

अमेरिकी गेंदबाज शाल्कविक बोले, अभी हमें काफी सुधार करना होगा

मुंबई। अमेरिका के तेज गेंदबाज शैडली वैन शाल्कविक भारत के खिलाफ टी20 विश्कप के पहले ही मैच में अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। शाल्कविक के अनुसार हालांकि उन्हें अभी काफी सुधार करना होगा। उनके अनुसार एसोसिएट देशों के खिलाड़ियों को शीर्ष टीमों से मुकाबले में विशेष प्रयास करने होते हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि उनकी टीम ने पहले मैच में काफी अच्छा खेला। उनकी टीम का क्षेत्ररक्षण भी इस मैच में अच्छा रहा है। शाल्कविक ने इस मैच में 25 रन देकर चार विकेट लिए थे। इस तेज गेंदबाज ने कहा, एसोसिएट क्रिकेटर के तौर पर भारत जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ हमारा प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इसके लिए हमें काफी प्रयास करना पड़ता है। हमें सबसे बड़े मंच पर खेलने का अवसर कभी-कभी ही मिलता है। हमारे लिए उन टीम के खिलाफ बहुत अच्छी तरह तैयारी करना जरुरी है जिनके खिलाफ हम खेलते हैं। हम योजना पर भी भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहले यहां खेल चुके हैं। हमारे पास ऐसे लोग हैं जो आंकलन कर रणनीति बनाते हैं। हमें स्थिति बताते हैं। साथ ही बताते हैं कि कहां गेंदबाजी करनी है और हम उस योजना पर भरोसा करते हैं। हम मैदान पर अभ्यास करते हैं और जितना हो सके उतना अच्छा करने की कोशिश करते हैं। दक्षिण अफ्रीकी मूल के अमेरिका के गेंदबाज वैन शाल्कविक ने कहा कि विरोधियों के खिलाफ अधिक योजना नहीं बनाना भी जरुरी है।

गंभीर के घर पर भारतीय टीम के लिए हुई डिनर पार्टी, बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी शामिल हुए

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को मुख्य कोच गौतम गंभीर के घर रात्रि भोज पर पहुंची। गंभीर ने टीम को अपने घर पर आमंत्रित किया था। इसमें खिलाडिय़ों के साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी शामिल हुए। गंभीर ने अपने परिवार के साथ भारतीय टीम का स्वागत किया। इस दौरान खिलाडिय़ों ने लजीज व्यंजनों का आनंद लिया। भारतीय टीम टी20 विश्वकप के 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ होने वाले मैच के लिए दिल्ली पहुंची थी। इससे पहले टीम ने मुम्बई में हुए पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारतीय टीम के गंभीर के घर पहुंचने का एक वीडियों भी आया है। इसमें गंभीर और उनकी पत्नी टीम का स्वागत करते हुए दिख रहे हैं। इससे लावा बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी गंभीर के घर पहुंचे। टीम का स्वागत करते हुए गंभीर और उनकी पत्नी नताशा व बच्चे बेहद खुश दिखे। इस पार्टी में कई प्रकार के व्यंजन और मीठे पकवान परोसे गए। इंडियन तंदूर के साथ ही चाइनीज और कांटिनेंटल इटालियन खाना भी परोसा गया। भारतीय खिलाड़ी बस से गौतम गंभीर के घर पहुंचे थे। सभी खिलाड़ी एकदम कैजुअल ड्रेस में दिखे। शुभमन गिल सफेद टीशर्ट और काला चश्मा पहने दिखे। केएल राहुल, प्रसिद्ध कृष्णा और अन्य भारतीय क्रिकेटरों समेत कोच रायन टेन डोइशे और मोर्ने मोर्केल भी इस डिनर पार्टी में मौजूद रहे। वहीं गंभीर इस दौरान भारतीय टीम की जर्सी पहने दिखे । भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप का की शुरुआत जीत से की है। टीम इंडिया ने अपने पहले मैच में अमेरिका को हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

इटली में खेल सुविधाएं नहीं होने से इंग्लैंड गये थे जसबीर

चेन्नई ● एजेंसी

क्रिकेटर बनने टेक्सी तक चलायी

टी20 विश्वकप के लिए इटली की टीम में शामिल तेज गेंदबाज जसप्रीत सिंह मूल रुप से भारत के पंजाब के रहने वाले हैं। जसप्रीत का परिवार कई साल पहले इटली चला गया था। जसप्रीत के अनुसार उनके लिए यहां खेलना आसान नहीं था क्योंकि इटली में क्रिकेट लोकप्रिय नहीं है। ऐसे में खेल के लिए बेहतर सुविधाएं नहीं थीं। इस कारण उन्हें एक स्थानीय बर्गमो क्रिकेट क्लब से जुडऩा पड़ा। यहां साधारण सुविधा थी । उसकी प्रतिभा को देखते हुए लोगों ने उसे क्रिकेट कौशल को निखारने इंग्लैंड जाने को कहा। इसके बाद वह बर्मिंघम पहुंच कर खेलने लगे। यहां उन्होंने टैक्सी चालक का भी काम किया । जसप्रीत ने कहा, जब मैं बच्चा था तो भारत में क्रिकेट खेलता था और जब मैं इटली गया तो मैं वही करना चाहता था पर जब मैं इटली गया तो वहां क्रिकेट नहीं था, कोई सही स्टेडियम या ग्राउंड नहीं थे, जैसे मैंने पंजाब में देखे थे। बर्मिंघम एवं जिला प्रीमियर लीग में खेलने वाले 32 वर्षीय जसप्रीत ने कहा, जब मुझे इसके बारे में पता चला तो मैं इंग्लैंड जाकर वहां खेलने लगा क्योंकि वहां टर्फ विकेट थे और खर्चों को पूरा करने के लिए मैंने टेक्सी चलाना शुरू किया । इसके बाद जसप्रीत को सला 2019 में नॉर्वे के खिलाफ इटली के लिए खेलने का अवसर मिला। इटली 2024 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के भी करीब पहुंच गया था पर आयरलैंड से करीबी हार से उसके हाथ से अवसर निकल गया। टीम ने एक साल बाद जून 2025 में यूरोपीय क्षेत्रीय क्वालीफायर में शीर्ष पर रहकर अपना सपना पूरा किया। जसप्रीत ने कहा, यह हमारे लिए गर्व की बात है। हम लंबे समय से क्वालीफाई करने की कोशिश कर रहे थे। और हमारी टीम पिछले तीन वर्षों से बहुत कड़ी मेहनत कर रही है। हम भगवान के आभारी हैं कि हम इस बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर पाए। उन्होंने कहा, हम सिर्फ विश्व कप में हिस्सा लेने नहीं आए हैं, हम मुकाबला करने भी आए हैं। जसप्रीत भारत में विश्व स्तरीय क्रिकेट सुविधाओं का अनुभव भी हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए एक अद्भुत एहसास है। मैं बचपन से इन मैदान को देखता आ रहा हूं। ईडन गार्डन्स, वानखेड़े जैसे स्टेडियमों में खेलने का अनुभव वह हमेशा से ही हासिल करना चाहते थे।

पाक से मैच को लेकर आईसीसी के फैसले का सम्मान करेगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

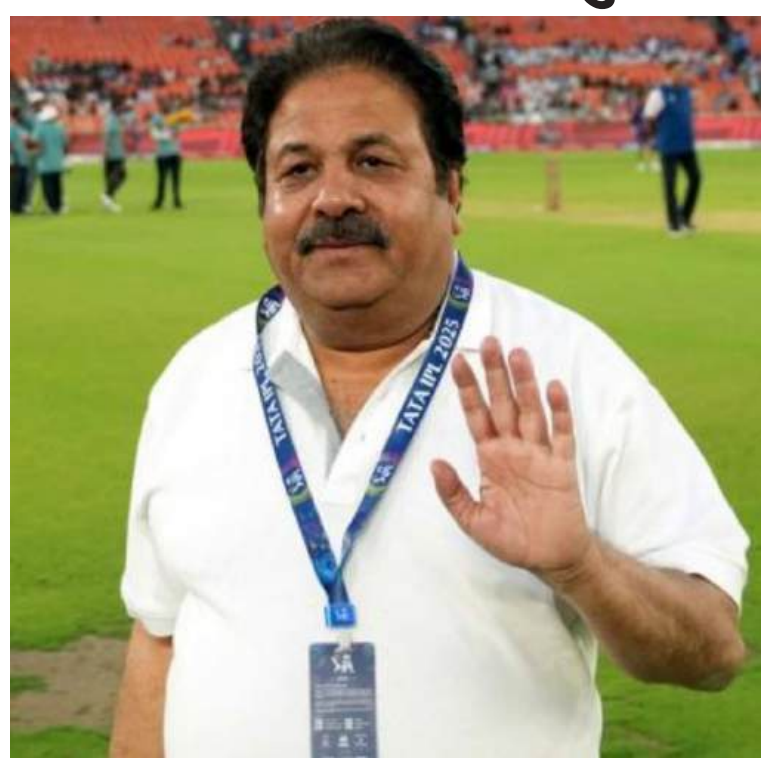

मुंबई ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विश्वकप मैच का बहिष्कार करने के मामले में बोर्ड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले का सम्मान करेगा। शुक्ला ने कहा है कि इस मामले में आईसीसी के जो भी फैसला लेगी। उसी का हम पालन करेगी और हमारा कोई अलग रुख नहीं होगा। शुक्ला ने कहा, मैं पहले भी स्पष्ट कर चुका हूं कि आईसीसी जो भी फैसला लेगा, बीसीसीआई उसी के अनुसार आगे बढ़ेगी। इस मामले में बोर्ड कुछ भी नहीं कहेगा। पाक ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने का विरोध करते हुए भारत के खिाफ विश्वकप मैच नहीं खेलने की बात कही है। वही पाक मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मैच की संभावनाएं हैं क्योंकि लाहौर में आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बीच इसको लेकर एक बैठक हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी इस मामले पर पाकिस्तान सरकार से स्पष्ट दिशा-निर्देश लेने वाला है। इसके बाद ही उसकी ओर से कोई औपचारिक घोषणा होगी। वहीं इससे पहले पाक सरकार ने कहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी। पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले को बांग्लादेश से जुड़े विवाद से जोड़ते हुए कहा कि ये बांग्लादेश के प्रति समर्थन दिखाने के लिए लिया गया है।।

इससे पहले बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से अपने सभी मैच भारत से बाहर कराने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने ठुकरा दिया था। इसके बाद बांग्लादेश ने विश्वकप से नाम वापस ले लिया था। आईसीसी ने पीसीबी से यह स्पष्ट करने को कहा है कि उसने बहिष्कार का कदम क्यों उठाया है। वहीं पीसीबी ने आईसीसी को संदेश भेजा था कि सरकार के आदेशों के कारण वह इस मैच से बाहर रहेगा। आईसीसी ने पीसीबी को यह भी आगाह किया है कि यदि मैच नहीं होता है, तो इससे को भारी आर्थिक और व्यावसायिक नुकसान हो सकता है। आईसीसी ने साथ ही उसे कड़ी कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। पीसीबी का मानना है कि यदि मामला कानूनी रूप लेता है, तो उनके पास मैच से बाहर रहने को लेकर अपना पक्ष रखने के मजबूत आधार है।

अगले टी20 विश्वकप में नहीं खेल पायेंगे वैभव

मुंबई ● एजेंसी

14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पिछले कुछ समय में अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। आईपीएल से लेकर अंडर-19 क्रिकेट तक वह छाये रहे हैं। वैभव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह दबाव के बीच भी आसानी से बड़े शॉट लगा देते हैं। अंडर-19 विश्व कप में भारतीय टीम की जीत में भी उनकी अहम भूमिका रही है पर इसके बाद भी इसके अगले संस्करण में वह खेल नहीं पायेंगे। इस कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई का एक नियम है। बीसीसीआई ने साल 2016 में राहुल द्रविड़ के कोच रहते एक नियम बनाया था जिसके अनुसार कोई भी खिलाड़ी एक ही बार अंडर-19 विश्कप खेल सकेगा। ये फैसला इसलिए किया गया था ताकि अधिक से अधिक उभरती हुई प्रतिभाओं को इसमें खेलने का अवसर मिल सके। इस फैसले का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा युवा खिलाडिय़ों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अवसर देना था। वैभव ने इस बार अंडर-19 विश्वकप में कप में कई रिकार्ड बनाये हैं जो उनके नाम वह पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा फाइनल मुकाबले में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 175 रनों की पारी खेली थी जिससे भारतीय टीम की खिताब जीत आसान रही। वह पूरे टूर्नामेंट में अच्छी बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड जीतने में भी सफल रहे। वैभव ने पूरे टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन के बल पर प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट दोनों खिताब हसिल किया है। साफ 2016 से पहले जब कोई पाबंदी नहीं थी तब कई भारतीय खिलाडिय़ों को अंडर-19 विश्व कप में दो बार खेलने का मौका मिला था। इसमें रवींद्र जडेजा, सरफराज खान, आवेश खान, रिकी भुई और विजय जोल जैसे खिलाड़ी हैं। इनमें से हालांकि जडेजा ही सीनियर स्तर पर अपने को साबित कर पाये। वहीं भारतीय टीम का रिकार्ड अंडर-19 टीम में बेहतरीन रहा है। भारत ने अब तक छह बार ये खिताब जीता है।

बॉटम

दो बार खेला है अंडर-19 विश्वकप

भारत में अवसर नहीं मिलने पर अमेरिका गये थे हरमीत

मुंबई ● एजेंसी

टी20 विश्वकप में अमेरिका की ओर से खेलने वाले स्पिन गेंदबाज हरमीत सिंह उन खिलाडिय़ों में से एक हैं जो अपने करियर को बेहतर बनाने दूसरे देशों की ओर रुख करने में नहीं हिचकिताते हैं। हरमीत का जन्म मुम्बई में हुआ था और उन्होंने भारत की ओर से दो बार अंडर-19 विश्वकप भी खेला था। इसके अलावा वह आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स से भी खेले हैं पर अधिक अवसर नहीं मिलने के बाद वह अमेरिका चले गये और अब लगातार दूसरी बार विश्वकप खेल रहे हैं। हरमीत ने मुंबई के अलावा कुछ अन्य राज्यों की टीमों की ओर से भी घरेलू क्रिकेट खेला है। उन्हें साल 2010 अंडर-19 विश्व कप में जगह मिली थी पर वह असफल रहे। साल 2012 अंडर-19 विश्व कप में हालांकि वह सफल रहे। उन्होंनें साल 2013 में आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स की ओर से एक मैच भी खेला। इसके बाद आईपीएल स्पॉट-फिक्सिंग विवाद में भी उनका नाम आया पर बाद में बीसीसीआई की जांच में वह मामले में बरी हो गये। उनपर सभी आरोप गलत पाये गये।

अमेरिका जाने के बाद हरमीत ने वहां खेलते हुए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई। अब तक उन्होंने अमेरिका के लिए 22 एकदिवसीय मैचों में 31 विकेट लिए हैं। वहीं 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 24 विकेट हैं। वे अमेरिका सबसे अच्छे खिलाडिय़ों में से एक हैं।

न्यूज ब्रीफ

चंद्रयान-4 : इसरो को मिली बड़ी कामयाबी, खोज ली गई लैंडिंग की सुरक्षित जगह

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने अगले और अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण चंद्र मिशन चंद्रयान-4 की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है। इसरो के स्पेस ऐप्लिकेशन सेंटर (एसएसी) ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उस सटीक स्थान की पहचान कर ली है, जहां चंद्रयान-4 को उतारा जाएगा। यह खोज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चंद्रयान-4 भारत का पहला रिटर्न मिशन होगा, जिसका लक्ष्य न केवल चांद पर उतरना है, बल्कि वहां से नमूने लेकर सुरक्षित धरती पर वापस लौटना भी है। वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर द्वारा भेजी गई हाई-रिजोल्यूशन तस्वीरों का गहन विश्लेषण करने के बाद चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लगभग 1 वर्ग किलोमीटर के एक सुरक्षित क्षेत्र का चयन किया है। इस अध्ययन को वैज्ञानिकों की एक विशेष टीम ने अंजाम दिया है, जिन्होंने लैंडिंग के लिए चार संभावित स्थलों की समीक्षा की थी। जांच के बाद एमएम-4 नामक स्थान को सबसे उपयुक्त पाया गया है। मिशन की चुनौतियां और विशेषताएं चंद्रयान-4 मिशन तकनीक और जटिलता के मामले में पिछले मिशनों से काफी आगे है। इस मिशन में प्रोपल्सन मॉड्यूल के साथ-साथ डिसेंटर और असेंडर मॉड्यूल शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसफर मॉड्यूल और रीएंट्री मॉड्यूल भी इस मिशन का हिस्सा होंगे। मिशन का मुख्य उद्देश्य चंद्रमा की सतह से मिट्टी और पत्थरों के नमूने एकत्र करना और उन्हें सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लाना है। यदि भारत इस मिशन में सफल रहता है, तो यह भविष्य के मानवयुक्त चंद्र मिशनों (गगनयान के अगले चरण) के लिए मील का पत्थर साबित होगा।लैंडिंग साइट की खासियत चुनी गई लैंडिंग साइट नॉविस माउंटेन पहाड़ी के पास स्थित है। पहाड़ी क्षेत्र के करीब होने के बावजूद, यह पैच काफी समतल है, जिससे लैंडर को नुकसान पहुंचने का खतरा न्यूनतम है। इस जगह की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यहां सूर्य की रोशनी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहती है, जो सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों के लिए अनिवार्य है।

पीएम मोदी और मंत्री शाह ने दी शिंदे को जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने शिंदे के नेतृत्व और राज्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की जमकर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से अपना संदेश साझा करते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के चहुंमुखी विकास को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने विशेष रुप से उल्लेख किया कि शिंदे, बालासाहेब ठाकरे और धर्मवीर आनंद दिघे के सपनों को साकार करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना भी की। प्रधानमंत्री की इन शुभकामनाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्नेहपूर्ण शब्द और आशीर्वाद उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए विश्वास दिलाया कि महाराष्ट्र, केंद्र द्वारा दिखाए गए विकास के मार्ग पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। शिंदे ने जोर देकर कहा कि राष्ट्र के प्रति प्रधानमंत्री का समर्पण और जनता के प्रति उनका आत्मीय भाव राज्य सरकार को निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने संकल्प लिया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में वे एक समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देते रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी एकनाथ शिंदे को जन्मदिन की बधाई दी और उनके द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की।

टैरिफ में बड़ी कटौती से टेक्सटाइल, हीरा, फार्मा, केमिकल और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर को मिलेगा अभूतपूर्व लाभ

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता : गुजरात के उद्योगों के लिए विकास का नया द्वार

अहमदाबाद ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौता किया गया है, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह समझौता विशेष रूप से गुजरात के उद्योगों के लिए विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर लगाए गए कड़े टैरिफ को लगभग 50 प्रतिशत से घटाकर करीब 18 प्रतिशत कर दिया है। इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की कीमतें अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगी और उनकी मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में गुजरात आज भारत का सबसे बड़ा निर्यातक राज्य बन चुका है। राज्य में टेक्सटाइल, फार्मास्युटिकल्स, केमिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स, जेम्स एंड ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में मजबूत औद्योगिक आधार मौजूद है। इस व्यापार समझौते से इन सभी क्षेत्रों को नया प्रोत्साहन मिलेगा। इस समझौते का सबसे अधिक लाभ टेक्सटाइल और कपड़ा उद्योग को मिलने की संभावना है। टैरिफ में कमी के चलते गुजरात के गारमेंट और होम टेक्सटाइल उत्पाद अन्य देशों की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। इसके परिणामस्वरूप मध्यम अवधि में टेक्सटाइल निर्यात में 100 से 150 प्रतिशत तक की वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। इससे राज्य के प्रमुख टेक्सटाइल क्लस्टरों में उत्पादन बढ़ेगा, अमेरिका से नए ऑर्डर प्राप्त होंगे और उद्योग की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। यह समझौता विशेष रूप से सूरत के लिए नई उम्मीद लेकर आया है।

दुनिया के सबसे बड़े डायमंड पॉलिशिंग हब के रूप में पहचाने जाने वाले सूरत के हीरा उद्योग को इस निर्णय से बड़ा फायदा होगा। टैरिफ में कटौती से उद्योग का मार्जिन सुधरेगा और मांग में पुनः तेजी आएगी। साथ ही, पहले उच्च टैरिफ के कारण हुए नुकसान की भरपाई होगी और अमेरिकी बाजार में हीरा उद्योग की पकड़ फिर से मजबूत होगी। इसके अलावा, भरूच, वापी और अहमदाबाद स्थित केमिकल और फार्मा क्लस्टरों को भी इस व्यापार समझौते से बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। पहले इन क्षेत्रों के निर्यात में लगभग 25-30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी, अब इसमें सुधार आएगा और उद्योगों को नई गति मिलेगी। कई फार्मास्युटिकल उत्पादों को शून्य या कम शुल्क का लाभ मिलने से अमेरिका जैसे रेगुलेटेड मार्केट में गुजरात की स्थिति और मजबूत होगी। रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में, विशेष रूप से सोलर मैन्युफैक्चरिंग को इस समझौते से नया प्रोत्साहन मिलेगा।

सोलर पैनल और उनके कंपोनेंट्स का उत्पादन बढ़ेगा और अमेरिका को इनका निर्यात अब व्यावसायिक रूप से अधिक लाभकारी होगा। इससे वैश्विक सप्लाई चेन में गुजरात की भूमिका और सशक्त बनेगी। इसके साथ ही, ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े हस्तशिल्प और पारंपरिक कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को भी अमेरिकी बाजार में आसान प्रवेश मिलने से बड़ा लाभ होगा। निर्यात और औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि का सीधा सकारात्मक प्रभाव राज्य की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। एमएसएमई इकाइयों, फैक्ट्रियों, लॉजिस्टिक्स और सहायक सेवाओं में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। निर्यात से जुड़े एमएसएमई सशक्त होंगे, जिससे उद्यमियों और श्रमिकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति और मजबूत बनेगी। कुल मिलाकर, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता गुजरात के औद्योगिक विकास के लिए एक 'बूस्टर डोज के समान सिद्ध होगा। टैरिफ में कटौती और व्यापारिक सुगमता से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा, एमएसएमई को गति मिलेगी और गुजरात वैश्विक मूल्य श्रृंखला—विशेष रूप से उच्च मूल्य वाले अमेरिकी बाजार—में एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरेगा।

कांग्रेस पर बिफरे केंद्रीय मंत्री रिजिजू, कांग्रेस संसद को चलने नहीं देना चाहती

संसद गुंडागर्दी का स्थान नहीं, हर चीज की एक सीमा होती

नई दिल्ली ● एजेंसी

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही बाधित करने के लिए कांग्रेस सांसदों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में अभद्र व्यवहार का आरोप लगाकर कांग्रेस पार्टी पर कार्यवाही को बाधित करने का आरोप लगाया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को सुरक्षा संबंधी चेतावनी देने पर प्रतिक्रिया देकर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस सांसदों का आचरण अस्वीकार्य है। यह घटना स्पीकर बिरला द्वारा गुरुवार को दिए गए उस बयान के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ कांग्रेस सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की सीट के पास जाकर अभूतपूर्व घटना को अंजाम देने की सूचना के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को सदन में उपस्थित न होने की सलाह दी थी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोक सके। इस पर प्रतिक्रिया देकर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष बिरला के कक्ष में कांग्रेस सांसदों के व्यवहार की निंदा करने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के सदन में प्रवेश करते ही कांग्रेस ने हंगामा करने की योजना बनाई थी। रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी के सदन में आते ही उनसे कागजात छीनने की योजना बनाई थी। रिजिजू ने कहा कि संसद गुंडागर्दी का स्थान नहीं है। हर चीज की एक सीमा होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार सदन को सुचारू रूप से चलाना चाहती है, लेकिन व्यवधान संसदीय कार्य में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सदन चलाना चाहते हैं।

अगर कांग्रेस सदन को चलने नहीं देना चाहती, तब अन्य सांसदों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। एक अलग बयान में, रिजिजू ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस लगातार व्यवधान के कारण नहीं हो सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में कांग्रेस नेतृत्व जानबूझकर कार्यवाही में बाधा डाल रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस नहीं हो सकी। मुझे लगता है कि लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता सदन को चलने नहीं देना चाहते। अध्यक्ष भी कांग्रेस सांसदों के व्यवहार से आहत हैं।

स्कूली बच्चों की प्रस्तुति से प्रभावित हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

रायपुर। संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम 2026 के समापन समारोह में स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और ताली बजाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री के स्वागत में जगदलपुर के हजारों स्कूली बच्चों ने 'ऐसा जादू है मेरे बस्तर में गीत पर मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। बच्चों की भावपूर्ण और अनुशासित प्रस्तुति देखकर श्री अमित शाह भी भावविभोर हो उठे और उन्होंने बच्चों को ताली बजाकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा *मलखंभ प्रदर्शन* भी किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह ने बच्चों की कला, अनुशासन एवं आत्मविश्वास की प्रशंसा करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित अन्य अतिथियों ने भी बच्चों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

बीजेपी के ये अच्छे दिन आरएसएस की वजह से ही आए : मोहन भागवत

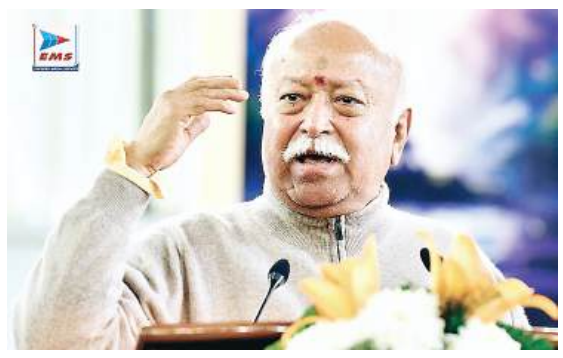

मुंबई ● एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने बीजेपी को लेकर बड़ी लकीर खींच दी है। 2024 के आम चुनाव में तत्कालीन अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक इंटरव्यू में कहा था कि हम आरएसएस के बिना भी चुनाव में जीत सकते हैं। इसे लेकर संघ कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष फैल गया था। अब सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि बीजेपी के ये अच्छे दिन आरएसएस के चलते ही आए हैं।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के लिए आरएसएस ने प्रतिबद्धता दिखाई थी और जिसने इसका साथ दिया, उसे फायदा मिला। इस तरह उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि संघ के नेतृत्व में चले राम मंदिर आंदोलन का फायदा बीजेपी को चुनाव में भी मिला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने साफ कर दिया कि बीजेपी के लिए आरएसएस का कितना महत्व रखता है। माना जा रहा है कि आरएसएस के कार्यकर्ताओं का उत्साह बनाए रखने के मकसद से उन्होंने ऐसी बात कही है। इसके अलावा बीजेपी नेतृत्व के लिए भी यह एक संदेश है कि भले ही दल का विस्तार हो गया है, लेकिन उसका वैचारिक आधार अब भी आरएसएस ही है। बता दें आरएसएस और बीजेपी के संबंधों को लेकर अकसर सवाल उठते रहे हैं। आरएसएस की ओर से बीजेपी में किसी भी फैसले लेने के दावों को खारिज किया जाता रहा है। उसका कहना है कि हम संघ के कार्यकर्ता देते हैं, लेकिन उसके फैसलों में हमारा कोई दखल नहीं रहता। पीएम मोदी की एक अलग राजनीतिक पार्टी है बीजेपी। उसमें बहुत से स्वयंसेवक हैं, लेकिन वह संघ की पार्टी नहीं है। उसमें स्वयंसेवक हैं और वे अपना काम करते हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस के लोगों के पास कोई और काम करने के लिए समय नहीं होता। मोहन भागवत ने कहा कि फिर सवाल उठता है कि देश में और भी समस्याएं हैं। उनका क्या होगा। इस पर संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने कहा था कि संघ कुछ नहीं करेगा और स्वयंसेवक कुछ नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि सभी अहम कामों में संघ के कार्यकर्ता शामिल हैं, लेकिन वे स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि हमारा काम मनमर्जी से चलता है। इसमें नियंत्रण नहीं चलता है। स्वयंसेवकों के बीच एक सहयोग की भावना है।

दलाई लामा कभी जेफ्री एपस्टीन से नहीं मिले, फाइल्स में नाम ने चौंकाया

नई दिल्ली ● एजेंसी

14वें दलाई लामा कभी भी विवादित जेफ्री एडवर्ड एपस्टीन से नहीं मिले है। दलाई लामा के कार्यालय ने रविवार को हाल की मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर की पोस्ट को झूठा और बेबुनियाद बताया है, जिनमें तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को एपस्टीन से जोडऩे की कोशिश की गई थी। बयान में कहा गया कि बिना किसी तथ्यात्मक आधार के मनगढ़ंत संबंध बनाने की कोशिश की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दलाई लामा के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि दलाई लामा कभी जेफ्री एपस्टीन से नहीं मिले और न ही उन्होंने किसी को अपनी ओर से उनसे मिलने या बातचीत करने के लिए कहा। अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा

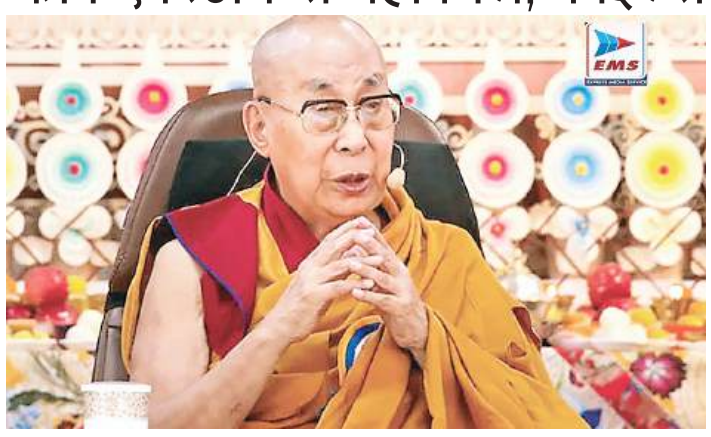

खांडू ने रविवार को कहा कि दलाई लामा की पूजनीय संस्था को निराधार बयानों या दुर्भावनापूर्ण अटकलों में नहीं घसीटा जाना चाहिए। खांडू ने यह बयान उन खबरों के जवाब में दिया जिनमें दावा किया गया था कि दलाई लामा का नाम एप्स्टीन की फाइलों में सामने आया है। सीएम खांडू ने पोस्ट में कहा कि गलत सूचना के जरिए आध्यात्मिक संस्था को बदनाम करने की कोशिश निंदनीय हैं। रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने एपस्टीन से जुड़ी कई फाइल जारी की थीं। दस्तावेजों के मुताबिक एफबीआई ने जुलाई 2006 में एपस्टीन के मामले में जांच शुरू की थी। अभियोग लगने के एक महीने बाद अगस्त 2019 में एपस्टीन ने न्यूयॉर्क की एक जेल में आत्महत्या कर ली थी। जनवरी में विभाग ने कहा कि वह एपस्टीन के खिलाफ दो दशक से अधिक समय तक की गई जांच के दौरान जुटाई गई सामग्री को सार्वजनिक करने के उद्देश्य से 30 लाख से ज्यादा पन्नों के दस्तावेज, 2,000 से ज्यादा वीडियो और 1,80,000 तस्वीरें जारी करेगा। इन दस्तावेजों को एपस्टीन फाइल पारदर्शिता अधिनियम के तहत सार्वजनिक किया गया है, जो महीनों के सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव के बाद लागू किया गया कानून है।

बॉटम यह हिंसा तंगखुल नगा समुदाय के एक व्यक्ति पर हमले के बाद भड़की

मणिपुर में फिर हिंसा, सशस्त्र उग्रवादियों ने कई मकानों में लगाई आग, कर्फ्यू लागू

इंफाल ● एजेंसी

मणिपुर के उखरुल जिले में एक बार फिर हिंसा का तांडव देखने को मिला। रविवार रात सशस्त्र उग्रवादियों ने लिटान सारेइखोंग क्षेत्र में कई मकानों में आग लगा दी। यह हिंसा तंगखुल नगा समुदाय के एक व्यक्ति पर हुए हमले के बाद उपजे तनाव का परिणाम बताई जा रही है। प्रशासन ने स्थिति को अनियंत्रित होते देख जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को जिले के लिटान गांव में दो आदिवासी समूहों ने पथराव किया, जिसके कारण प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि देर रात के आसपास लिटान सारेइखोंग में तंगखुल नगा समुदाय के कई मकानों में कुकी उग्रवादियों ने आग लगा दी। पास के ही एक इलाके में कुकी समुदाय के कुछ लोगों के मकानों को भी जला दिया गया। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। लितान सारेइखोंग कुकी बहुल गांव है। रिपोर्ट में एक अधिकारी ने बताया कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है और स्थिति तनावपूर्ण है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो फुटेज में हथियारबंद लोग गांव में मकानों और वाहनों को आग लगाते और उग्रवादी अत्याधुनिक हथियारों से

हवा में फायरर करते दिखाई दे रहे हैं। हमारी संस्था इस वीडियो क्लिप की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करते हैं। अधिकारी ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही को रोकने के लिए महादेव, लंबुई और शांगकाई और लिटान की ओर जाने वाले अन्य क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि रविवार शाम को सुरक्षा बलों ने लिटान सारेइखोंग गांव में आपस में भिड़े दो आदिवासी समूहों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। उखरुल जिले के मजिस्ट्रेट द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि तंगखुल नगा और कुकी समुदायों के सदस्यों के बीच तनाव के कारण गांव में शांति और व्यवस्था भंग होने की आशंका है। जिला मजिस्ट्रेट ने अधिसूचना में कहा कि रविवार शाम से अगले आदेश तक किसी भी व्यक्ति का अपने निवास स्थान से बाहर निकलना प्रतिबंधित है। इसमें कहा गया है कि यह आदेश सरकारी अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों पर लागू नहीं होगा। बता दें शनिवार रात लिटान गांव में सात से आठ लोगों द्वारा तंगखुल नगा समुदाय के एक सदस्य पर हमला किए जाने के बाद इलाके में हिंसा भड़क गई।

अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित पक्ष और लिटान सारेइखोंग के मुखिया के बीच मामला सुलझ गया था और दोनों पक्ष आपसी सहमति से पारंपरिक तरीकों से समस्या का समाधान करने पर सहमत हुए थे। रविवार को एक बैठक होनी थी लेकिन नहीं हुई। उन्होंने बताया कि इसके बजाय पास के सिकिबुंग गांव के ग्रामीणों के एक समूह ने लिटान सारेइखोंग के मुखिया के आवास पर हमला किया।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नबंर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)